जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 149, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 26 जून 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

2002 के गुजरात दंगों पर अमित शाह का इंटरव्यू: आरोप लगाने वाले पीएम मोदी से माफी मांगे

मोदी भगवान शंकर की तरह विषपान करते रहे

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगे मामले में जाकिया जाफरी की एसआईटी रिपोर्ट के खिलाफ दी गई अर्जी शुक्रवार को खारिज कर दी थी। फैसले के बाद गृहमंत्री अमित शाह से बात की, जिसे शनिवार को रिलीज किया गया। इसमें शाह ने कहा कि कोर्ट के फैसले ने सिद्ध कर दिया कि तब के गुजरात सरकार पर लगाए सभी आरोप पॉलिटिकली मोटिवेटेड थे। जिन लोगों ने भी मोदी जी पर आरोप लगाए थे, उन्हें भाजपा और मोदी जी से माफी मांगनी चाहिए। करीब 40 मिनट के इंटरव्यू में शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा न्यायपालिका में विश्वास रखा है।

सवाल: कोर्ट ने मोदी जी और सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है, तो आपको कैसा लग रहा है? आप तब एमएलए थे?

जवाब: सबसे पहले क्लीन चिट की बात करूंगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी आरोपों को खारिज किया है। और आरोप क्यों गढ़े गए इस पर भी सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट ने सिद्ध किया है कि ये आरोप पॉलिटिकली मोटिवेटिड थे। 18- 19 साल की लड़ाई में देश का इतना बड़ा नेता एक शब्द बोले बगैर सभी दुखों को भगवान शंकर के विषपान की तरह गले में उतारकर, सहनकर लड़ता रहा। मैंने मोदी जी को नजदीक से इस दर्द को झेलते हुए देखा है। मजबूत मन का आदमी ही ऐसा स्टैंड ले सकता है।

सवाल: पॉलिटिकल व्यू की वजह से गुजरात दंगों के दौरान पुलिस और ब्यूरोक्रेसी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई?

जवाब: भाजपा की विरोधी राजनीतिक पार्टियां, कुछ आइडियोलॉजी लिए राजनीति में आए हुए पत्रकार और कुछ एनजीओ ने मिलकर इन आरोपों को इतना प्रचारित किया। इनका इकोसिस्टम इतना मजबूत था कि धीरे धीरे झूठ को ही सब सच मानने लगे।

सवाल: उस वक्त तो आपकी सरकार दिल्ली और गुजरात दोनों जगह थी, तो फिर इन लोगों का नेटवर्क इतना मजबूत कैसे था?

जवाब: हमारी सरकार का कभी भी मीडिया के काम में दखल देने का ऐटीट्यूड ही नहीं है। उस वक्त जो इकोसिस्टम बना था, उसने एक झूठ को इतना हौव्वा बनाकर जनता के सामने पेश किया कि सब झूठ को ही सच मानने लगे थे।

सवाल: अगर सरकार सही थी तो एसआईटी की क्या जरूरत थी?

जवाब: एसआईटी का ऑर्डर कोर्ट का नहीं था। एक एनजीओ ने एसआईटी की मांग की थी। हमारी सरकार ने कहा कि

'60 लोगों को जिंदा जला दिया था, उसका समाज में आक्रोश था'

शाह ने इंटरव्यू में कहा कि एसआईटी और जांच अफसर की नियुक्ति देश की सर्वोच्च अदालत ने एनजीओ को सुनने के बाद की थी। इन अफसरों को केंद्र सरकार की ओर से भेजा गया था। उस समय तक केंद्र में यूपीओ सरकार आ चुकी थी। हमने एसआईटी को जरा भी प्रभावित नहीं किया। हमें एसआईटी से कोई परेशानी नहीं हैं। आज जब जजमेंट आया है, तो यह तय हो गया है कि एक पुलिस ऑफिसर, एक एनजीओ और एक पॉलिटिकल पार्टी ने सनसनी के लिए झूठी बातों को फैलाया था। झूठे सबूत गढ़े गए, एसआईटी के सामने झूठे जवाब दिए गए। कोर्ट के फैसले ने यह सिद्ध कर दिया कि दंगा रोकने के लिए सरकार ने भरसक प्रयास किए। सीएम ने भी दंगा रोकने की अपील की थी।

सवाल: लेकिन दंगों के सिर्फ आरोप तो नहीं लगे थे? दंगे भी तो हुए थे...

जवाब: आरोप यह था कि दंगे मोटिवेटेड इतनी सारी गलत बातें फैलाई गईं कि फायरिंग में केवल मुसलमान मारे गए। ऐसा नहीं हुआ है। जिस तरह से 60 लोगों को जिंदा जला दिया था, उसका समाज में आक्रोश था। और जब तक दंगे नहीं हुए भाजपा को छोड़कर किसी भी पार्टी ने ट्रेन जलाने वाली घटना की निंदा नहीं की।

थे, दंगों में राज्य सरकार का हाथ था। दंगों में सीएम का हाथ होने के भी आरोप लगाए गए। दंगे से कौन इनकार कर रहा है।

देश में दंगे कई जगह पर हुए। जहां तक दंगों का सवाल है, कांग्रेस के शासन के किन्हीं 5 सालों और भाजपा के शासन के किन्हीं 5 सालों की तुलना करके देख लीजिए। कितने घंटे कर्फ्यू रहा, कितने लोग मारे गए, कितने दिन बंद रहा और दंगा कितने दिन तक चला इन बातों की तुलना करने पर पता चल जाएगा कि दंगे किसके शासनकाल में अधिक हुए। दंगा होने का मूल कारण गुजरात में एक ट्रेन को जला देना था। 60 लोगों को और 16 दिन की बच्ची को उसकी मां की गोद में बैठे हुए जिंदा जलते हुए मैंने देखा है, मेरे हाथ से मैंने अंतिम संस्कार किया है। इसके कारण दंगे हुए और आगे जो दंगे हुए वो राजनीति से प्रेरित होकर हुए थे।

'स्टिंग ऑपरेशन भी पॉलिटिकली मोटिवेटेड था'

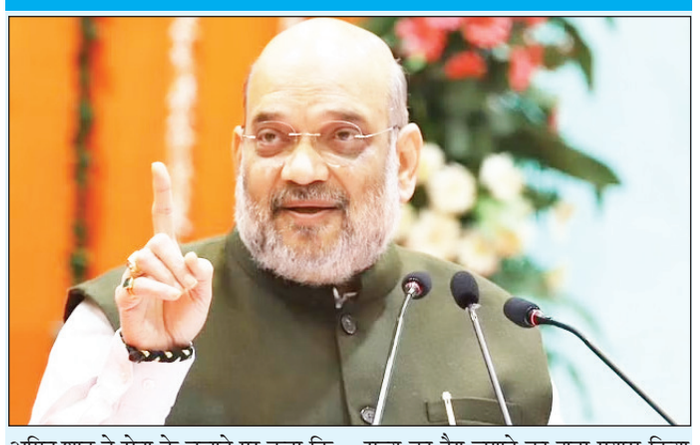

अमित शाह ने सेना के बुलाने पर कहा कि जिस दिन गुजरात बंद का ऐलान हुआ, उसी दोपहर को हमने सेना को बुला लिया था। सेना को पहुंचने में थोड़ा समय लगता है। जहां तक गुजरात सरकार का सवाल है, एक दिन की भी देरी नहीं हुई थी। इस बात को कोर्ट ने भी माना और एप्रिशिएट किया है। लेकिन दिल्ली में सेना का मुख्यालय है। जब इतने सारे सिख भाइयों को मार दिया गया, 3 दिन तक कुछ नहीं हुआ। कितनी एसआईटी बनी? हमारी सरकार आने के बाद एसआईटी बनी। इतने सालों तक सिख नरसंहार में विपक्ष की सरकारों के दौरान कभी गिरफ्तारियां नहीं हुईं। ये लोग हम पर आरोप लगा रहे हैं? यह बात केवल मैं और मोदी जी नहीं कहते, अब सुप्रीम कोर्ट भी यही कहता है कि गुजरात पर एक दंगाई राज्य का टैग लगाने का झूठा प्रयास किया गया। आप लोकतंत्र में संविधान और सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं मानेंगे, पॉलिटिकल स्टेटमेंट सच्चे हैं या सुप्रीम कोर्ट का फैसला यह देश की जनता को तय करना होगा। अब आरोप लगाने वालों से पत्रकारों को पूछना चाहिए कि ये आरोप किस आधार पर लगाए गए थे। अगर आधार था तो वे लोग सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं गए। मैंने बहुत जल्दबाजी में जजमेंट को पढ़ा है, लेकिन इसमें तीस्ता सीतलवाड़ का नाम बहुत स्पष्ट दिया है। तीस्ता सीतलवाड़ के एनजीओ ने हर थाने में भाजपा के कार्यकर्ता को शामिल करने वाली ऐप्लिकेशन दी थी। मीडिया का दबाव इतना था कि ऐसी ऐप्लिकेशन को सच मान लिया गया। जनता ने कभी इन आरोपों को स्वीकारा नहीं।

उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच खिंची हैं तलवारें

मुंबई: महाराष्ट्र में सियासी उठापटक के पांचवे दिन शिवसेना कार्यकर्ताओं ने एकनाथ शिंदे के बेटे व कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे के दफ्तर पर तोड़फोड़ की है। ठाणे के उल्हासनगर इलाके के दफ्तर में शिवसैनिकों ने पत्थर फेंके हैं। इसके अलावा शिंदे गुट के विधायक तानाजी सावंत के पुणे स्थित घर और दफ्तर पर भी तोड़फोड़ की गई है। इधर, डिप्टी स्पीकर ने एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को नोटिस जारी कर 27 जून तक जवाब मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि क्यों न आपकी सदस्यता रद्द कर दी जाए? दरअसल, शिवसेना ने 16 बागी विधायकों के सदस्यता रद्द करने की अर्जी शुक्रवार को डिप्टी स्पीकर को दी थी।

सुलगते बम पर बैठे हैं बागी विधायक :

उद्धव: शिवसेना की हाईलेवल मीटिंग में

उद्धव ने शिंदे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- शिंदे पहले नाथ थे, लेकिन अब दास हो गए हैं। उद्धव ने आगे कहा कि सुलगते बम पर बागी बैठे हुए हैं। बालासाहब का नाम लेकर कोई पॉलिटिक्स नहीं कर पाएंगे। मीटिंग के बाद संजय राउत ने कहा- वोट मांगना हो तो अपने बाप के नाम से मांगो, शिवसेना के बाप के नाम का इस्तेमाल मत करो।

शिंदे ने जारी की 38 विधायकों की सूची: गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में विधायकों की बैठक के बाद एकनाथ शिंदे ने 38 विधायकों की सूची जारी की है। इससे पहले, शिंदे ने 23 जून को 34 शिवसेना विधायकों की सूची जारी की थी। महाराष्ट्र में सरकार गिराने के लिए शिंदे को सिर्फ 37 शिवसेना के विधायकों की जरूरत है। वहीं राज्य में लगातार हो रही हिंसा के बाद एकनाथ शिंदे ने कहा है कि विधायकों की सुरक्षा हटा ली गई है, अगर उनके परिवार को कुछ हुआ, तो उसके लिए उद्धव और आदित्य जिम्मेदार होंगे। शिंदे के करीबी दीपक केसकर ने बताया कि गुवाहाटी में बागी विधायकों ने शिवसेना बालासाहब ठाकरे नाम से नए गुट बनाने की घोषणा की है। पुणे में हिंसा को देखते हुए मुंबई में धारा 144 लागू कर दी गई है।

पाक में 26/11 मुंबई हमले से जुड़े आतंकी को 15 साल की सजा

लाहौर। पाकिस्तान की एक आतंकरोधी अदालत ने 26 नवंबर, 2008 के मुंबई हमले के हैंडलर और आतंकी साजिद मजीद मीर को आतंकी फंडिंग के मामले में 15 साल से अधिक जेल की सजा सुनाई है।

लश्कर और जमात-उद-दावा से जुड़े आतंकी फंडिंग के केस देखने वाले एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी है। इस वकील के मुताबिक इस साल अप्रैल में गिरफ्तार किए जाने के बाद से मीर कोट लखपत जेल में बंद है।

राष्ट्रपति चुनाव: भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करेंगी मायावती

पार्टी ने आदिवासी समाज को अपने मूवमेंट का खास हिस्सा मानते हुए द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है

लखनऊ: बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

इस दौरान मायावती ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष की बैठक में बसपा को न बुलाए जाने पर हमला बोला। मायावती ने कहा कि हमें सरकार और विपक्ष ने अलग-थलग रखा गया। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का षड़यंत्र देखने को मिला। हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि हमारी पार्टी ने आदिवासी समाज को अपने मूवमेंट का खास हिस्सा मानते हुए द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमारा यह फैसला न तो भाजपा या एनडीए के समर्थन में है और न ही विपक्ष के खिलाफ। हम अपनी पार्टी और आंदोलन को ध्यान में रखते एक आदिवासी समाज की योग्य और कर्मठ महिला को देश की राष्ट्रपति बनाने के पक्ष में हैं। मायावती ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक विपक्षी उम्मीदवार का चयन करने के लिए 15 जून को बुलाई थी और केवल चयनित पार्टियों को आमंत्रित किया इसके साथ ही जब शरद पवार ने 21 जून को एक बैठक बुलाई, तो बसपा को भी आमंत्रित नहीं किया गया था। यह उनके जातिवाद के उद्देश्यों को दशार्ता है

रिजर्व बैंक ने आईओबी पर 57.5 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर 57.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआाई ने यह जुर्माना आईओबी के समय पर धोखाधड़ी की जानकारी नहीं देने पर लगाया है।

रिजर्व बैंक के मुताबिक आईओबी पर यह कार्रवाई कुछ मानदंडों तथा धोखाधड़ी से संबंधित नियमों का अनुपालन नहीं करने के मामले में गई है। आरबीआई ने कहा कि मार्च 2020 के अंत में अपनी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के वैधानिक निरीक्षण और रिपोर्टों की जांच के आधार पर यह जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि आईओबी पता लगाने की तारीख से तीन हफ्ते के भीतर एटीएम कार्ड क्लोनिंग या स्किमिंग से जुड़े धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जानकारी देने में विफल रहा था। दरअसल यह जुर्माना कमर्शियल बैंकों और चुनिंदा वित्तीय संस्थाओं की धोखाधड़ी-वर्गीकरण और रिपोर्टिंग पर आरबीआई की ओर से जारी निर्देशों से जुड़ा था। बैंक नियामक ने कहा कि इस कार्रवाई का आईबीओ ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या करार की वैधता से कोई संबंध नहीं है।

कोरोना: देश में 15,940 नए संक्रमित मिले

नई दिल्ली: देश में बीते 24 घंटे में 15,940 नए कोरोना संक्रमित मिले और 20 लोगों की महामारी से मौत हो गई। सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 91 हजार के पार पहुंच गई है। हालांकि, तुलना में नए संक्रमितों की संख्या कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह जारी बीते 24 घंटे की रिपोर्ट के अनुसार देश में औसत दैनिक कोरोना संक्रमण दर 4.39 फीसदी है। हालांकि कई राज्यों में यह 5 से 10 फीसदी के बीच है। देश में सक्रिय केस में बीते 24 घंटे में 3495 की बढ़ोतरी हुई है और ये बढ़कर 91,779 हो गए। वहीं, 20 और मौतों के साथ

कुल मृतक संख्या 5,24,974 हो गई।

12 राज्यों में बढ़ी कोरोना की रफ्तार: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 10 जून के बाद 12 राज्यों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ी है। इसमें महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, गुजरात, गोवा, पंजाब में साप्ताहिक मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।

वैक्सीन ने देश में 42 लाख से अधिक मौतें रोकीं: देश में कोरोना से हुई मौतों को लेकर मेडिकल जर्नल द लैंसेट ने बड़ा दावा किया है। साल 2021 में कोविड वैक्सीन देश में 42 लाख से अधिक मौतें रोकने में सफल रही है। यह स्टडी 8 दिसंबर, 2020 से 2021 तक देश में मृत्यु दर के अनुमानों पर आधारित है। डब्ल्यूएचओ ने जनवरी 2020 से दिसंबर 2021 के बीच देश में 47 लाख मौतों का अनुमान जताया था। अगर राज्य में कोरोना की स्थिति की बात करें तो महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 4,205 नए केस सामने आए, जबकि 3 मरीजों की मौत हो गई।

अब सिर्फ पौष्टिक खाना मिलेगा; चिप्स-समोसा, कोल्ड ड्रिंक समेत फ्राइड और जंक फूड बैन

बोर्ड का फैसला: अमरनाथ यात्रा के लंगरों में सेहत का ख्याल

जम्मू-कश्मीर: 2 साल बाद शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा के दौरान लंगरों में फ्राइड फूड, जंक फूड, स्वीट डिश, चिप्स, समोसे जैसी चीजें नहीं मिलेंगी। ऐसी दर्जनों चीजें बैन कर दी गई हैं। श्राइन बोर्ड ने सभी लंगर कमेटियों को पत्र लिखा है कि यात्रियों को हरी सब्जियां, सलाद, मक्के की रोटी, सादी दाल, लो फैट दूध और दही जैसी पौष्टिक चीजें ही दी जाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय पर लिए गए इस फैसले में बताया गया है कि हेल्दी फूड यात्रियों की सेहत ठीक

रखेगा। उनका एनर्जी लेवल ठीक रहेगा, जिससे यात्रा में परेशानी नहीं होगी। इस बीच, श्री अमरनाथ गुफा के रास्ते में लगातार मौसम बदल रहा है, दो दिन से बर्फबारी जारी है। ऐसे में यात्रा शुरू करने में देरी भी हो सकती है। श्राइन बोर्ड ने 7 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई है। 2019 में कुल 3.5 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे।

इन पर पाबंदी: मांसाहार, शराब, तंबाकू और गुटखा पर पाबंदी रहती ही है, लेकिन इस बार पुलाव, फ्राइड राइस, पूरी, भटूरा, पिज्जा, बर्गर, तले पराठे, डोसा, तली हुई रोटी, ब्रेड बटर, अचार, चटनी, पापड़, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक, हलवा, जलेबी, चिप्स, मठ्ठी, नमकीन, मिक्सचर, पकोड़ा, समोसा और हर तरह की डीप फ्राइड चीजें नहीं मिलेंगी।

120 संस्थाएं लगाएंगी लंगर: देशभर से 120 समाजसेवी संस्थाएं यात्रा मार्ग पर लंगर लगाएंगी। ये लंगर बालटाल कैंप, बालटाल-डोमेल के बीच, डोमेल, रेलपत्री, बरारीमार्ग, संगम, नुनवान, चंदनवाड़ी, चंदनवाड़ी-पिस्सूटॉप के बीच, पिस्सूटॉप, जोजीबल, नागाकोटी, शेषनाग, वावबल, पोषपत्री, केलनार, पंचतरणी व पवित्र गुफा के पास लगेंगे।

राहुल के दफ्तर में तोड़फोड़ के मामले में एसएफआई के 19 कार्यकर्ता गिरफ्तार

वायनाड: मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की वायनाड इकाई के कार्यकर्ता हैं। स्थानीय कोर्ट ने उन्हें दो सप्ताह की रिमांड पर सौंपा है। मामले की जांच मनंतवाडी के पुलिस उपधीक्षक कर रहे हैं। एडीजीपी के नेतृत्व वाली विशेष जांच टीम जल्द ही जांच हाथ में लेगी। एसएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा गांधी के वायनाड दफ्तर में तोड़फोड़ करने के कुछ घंटों बाद

केरल की वाम सरकार ने शुक्रवार रात को एडीजीपी रैंक के एक अधिकारी से उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया था और कलपेट्टा के डीएसपी को निलंबित कर दिया था।

इस बीच, विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कार्यालय में तोड़फोड़ और हिंसा की कार्रवाई सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर की गई।

खबर संक्षेप

दहेज में कार न मिलने पर पति ने पत्नी के साथ किया अप्राकृतिक मैथुन दिया तीन तलाक

मऊआइमा। दहेज में कार न मिलने पर पति ने पत्नी के साथ आप्राकृतिक मैथुन किया ।तथा मार पीट कर तीन तलाक कहा। पत्नी ने मऊआइमा थाना थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दुबाही निवासनीय एक महिला का आरोप है कि उसकी शादी 20 जून 2020 को प्रतापगढ़ के थाना मान्धाता के खरवई निवासी मोहम्मद परवेज पुत्र जैनुल आब्दीन के साथ हुई थी।

विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालियों द्वारा कार की मांग की जाने लगी। मांग न पूरी होने पर उसके पेट में पल रहे बच्चे को मारने के लिए पेट में मारते थे। विवाहिता का आरोप है कि पति उसके साथ उसके मर्जी के खिलाफ आप्राकृतिक मैथुन किया तथा तीन तलाक देकर भगा दिए। विवाहिता ने मऊआइमा थाने में पति मोहम्मद परवेज ,ननद परवीन बानों नसरीन बानों ,ससुर जैनुल आब्दीन ,ननदोई इसरार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

दरोगा अतुल सिंह का बाथरूम में मिला शव

नवाबगंज थाने में तैनात थे दरोगा अतुल

जांच पड़ताल करने जा रहे एसएसपी प्रयागराज

मृतक अतुल सिंह की फाइल फोटो

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नवाबगंज थाने में तैनात दारोगा अतुल कुमार सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बाथरूम में मिला है। उसकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई इसकी जांच शुरू कर दी गई है।प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।बाथरूम में बाल्टी और मग के पास उनकी चप्पलें भी पड़ी थीं। मूल रूप से बलिया के रहने वाले अतुल सिंह के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। फॉरेंसिक जांच टीम मौके का मुआयना कर रही है।

स्विच ऑफ मिला मोबाइल :

जांच में सामने आया है कि थाना प्रभारी नवाबगंज के मोबाइल पर एक पुलिसकर्मी संतोष कुमार सिंह का फोन आया। उन्होंने बताया कि एसआई अतुल सिंह का मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है। उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस सूचना पर थाना प्रभारी फोर्स के साथ अतुल सिंह के किराए के मकान में पहुंचे। वहां देखा कि 2016 बैच के एसआई अतुल कुमार सिंह मृत अवस्था में बाथरूम में पड़े हुए थे। उनके पास कोई संदिग्ध चीजें नहीं मिली हैं। एसएसपी ने बताया कि दारोगा की मौत का कारण जानने के लिए बॉडी का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया जाएगा।

शिक्षिका सौम्या त्रिपाठी को सम्मानित करते सीडीओ शिबू गिरी

स्वच्छता के लिए सीडीओ ने आशुतोष मेमोरियल स्कूल को किया सम्मानित

हनुमानगंज। धनैचा- मलखानपुर स्थित आशुतोष मेमोरियल स्कूल को निजी विद्यालयों की श्रेणी में प्रयागराज जनपद का स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021- 2022 प्रदान किया गया और विद्यालय को स्वच्छता की सभी श्रेणियों में पांच सितारों की रेटिंग प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में सीडीओ प्रयागराज शिपु गिरी द्वारा बीइओ बहादुरपुर रमाकांत राम की उपस्थिति में विद्यालय की शिक्षिका सौम्या त्रिपाठी को पुरस्कार प्रदान किया। स्कूल के प्रबंधक डॉ गिरीश पांडे ने बताया कि हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छता आह्वान पर देश के हर गांव, कस्बा, शहर और सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं को स्वच्छता अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया है। जिसमे देश की समस्त शैक्षिक संस्थाएं और विद्यालय भी इस काम में पीछे नहीं है स्वच्छता का वातावरण बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने उन स्कूलों को सम्मानित करने करने का निर्णय लिया गया जिसमे प्रयागराज के आशुतोष मेमोरियल स्कूल को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि समस्त विद्यालय परिवार स्वच्छता के वातावरण को बनाए रखने के लिए कटिबद्ध एवं दृढ़ संकल्पित रहा है ' जनपद स्तर का स्वच्छता पुरस्कार पाना विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। यह पुरस्कार पाकर विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक तथा प्रबंधन समिति के सभी सदस्य प्रफुल्लित एवं गौरवान्वित है।

न्यूज झरोखा

लालापुर में बारा विधायक डॉ. वाचस्पति की मौजूदगी में चौपाल का आयोजन संपन्न

लालापुर। शनिवार को लालापुर सामुदायिक भवन में बारा विधायक डॉ. वाचस्पति की मौजूदगी में चौपाल का आयोजन किया गया।जिसमें भारतीय जनकल्याण परिषद के सचिव दीपक पांडेय ने सड़क, नाली, पानी व स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का ज्ञापन विधायक बारा डॉ. वाचस्पति को सौंपा।भटपुरा-लालापुर ग्राम प्रधान शंकरलाल पाण्डेय ने ग्रामीणों की समस्या से विधायक बारा को अवगत कराया। बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने चौपाल में कहा कि आप सभी की समस्याओं का निस्तारण करना ही मेरा कर्तव्य है और ग्रामीणों की समस्या का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।इस दौरान मनकामेश्वर मंडल महामंत्री शैलेंद्र कुमार पांडेय,मनोज कुमार पांडेय, दीपक पांडेय,विजय कुमार निषाद,विजय कुमार पांडेय, होरीलाल केसरवानी,ग्राम प्रधान पति नौढिया सूरज शुक्ला, ग्राम प्रधान गोइसरा वीरेंद्र पांडेय, ग्राम प्रधान पति चकसुचेर राजू पांडेय, रमाशंकर तिवारी, अरविंद पांडेय सहित अन्य कई ग्रामीण व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि : वीरेन्द्र बहादुर सिंह

सहसों। मंडल सहसों में भाजपा गंगापार कार्यसमिति की बैठक शनिवार को सुखदेव सिंह महाविद्यालय हसनपुर कसेरूआ कला में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर उन्हें नमन किया गया। तत्पश्चात वंदे मातरम गीत को गाया गया। कार्यसमिति की बैठक में पार्टी द्वारा कार्य योजना एवं प्रस्तावना को प्रस्तुत कर विस्तार पूर्वक विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर बैठक के मुख्य अतिथि भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए संकल्पित है। और निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है संगठन के लिए कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है और कार्यकताओं का हित ही पार्टी का हित है कार्यकर्ता ही पार्टी के विचारों एवं सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज एवं संचालन मंडल के महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से गुलाब प्रसाद त्रिपाठी, राजधर दूबे, सुभाष शुक्ला, संजय सिंह, जय प्रकाश दूबे, राजेश सरोज, भूपेंद्र मिश्रा, पुष्कर सिंह, विमल मिश्रा, सूर्यमणि पांडे , महेश सिंह, अमन सिंह राजपूत, दया सिंह, नरेंद्र कुशवाहा, लवकुश बिंद, राजेश सरोज, लक्ष्मी कांत पांडे, प्रसिद्ध नारायण पांडे, मुकेश दुबे, मनोज तिवारी, शिव बाबू केसरवानी, डॉ राजेंद्र वर्मा सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डाकघर समीप घायल अवस्था में मिला युवक

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के नैनी पोस्ट ऑफिस के पास शुक्रवार को देर रात एक युवक घायल अवस्था में सड़क के किनारे गिरा पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगो की नजर पड़ी तो तत्काल इलाकाई पुलिस को सुचना दि गई। सुचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर युवक को इलाज के लिए सामुदायिक केंद्र चाका भेजा दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक केशर (32) पुत्र सरजू प्रसाद बसंत का पूरा का रहने वाला है। शुक्रवार की देर रात वह घायल अवस्था में नैनी क्षेत्र के डाकघर समीप सड़क पर गिरा हुआ था। जब स्थानीय लोगो की नजर युवक केशर पर पड़ी तो उसे उठा कर जानकरी ली गई की ये हालत तुम्हारी कैसी हुई तो केशर ने जवाब देते हुए कहा की मेरे घर वालो ने मेरी ऐसी हालत की है का आरोप लगाया। जिसके बाद स्थानीय लोगो के द्वारा सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने एम्बुलेंस बुलवा कर उसे उपचार के लिए सामुदायिक केंद्र चाका भेज दिया। खबर लिखें जाने तक इलाकाई पुलिस जाँच में जुटी हुई थी।

जल निगम की पाइप टूटने से सड़क गड्ढे में तब्दील

जंघई। अष्टभुजा गेट जंघई से जंघई दुबान जाने वाली सड़क पर जगह जगह जल निगम की पाइप लाइन टूट गई है जिसके कारण पानी बह रहा है और सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है। वरिष्ठ समाजसेवी नागेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बार बार जल निगम एवं लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन न तो जल निगम की पाइप लाइन ठीक करवाई जा रही है न ही टूटी हुई सड़क जिसके कारण आवागमन बाधित हो रहा हमेशा लोग गिरकर चुटहिल हो रहे हैं इससे आम लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

एसपी विश्वकर्मा को मिली पीएचडी की उपाधि

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र ब्लाक उरूवा के ग्रामपंचायत शुकुलपुर के पूर्व प्रधान शिव प्रकाश (एस0 पी0 विश्वकर्मा) को वर्तमान शिक्षा पद्धिति के परिपेक्ष्य में गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन एवं मूल्यों की शिक्षा की उपयोगिता एक विश्लेषणात्मक अध्ययन शीर्षक पर शिक्षा शास्त्र विषय मे पीएचडी की उपाधि कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रदान किया गया। जैसे ही लोगो को जानकारी मिली लोग एस0 पी0 विश्वकर्मा के निवास पर पहुँचकर बधाई और शुभकामनाएं देने की भीड़ लग गई।

प्रतियोगी छात्रों के लिए रोल मॉडल बने आजाद सिंह यादव बने

प्रतापपुर। उग्रसेनपुर, उदगी निवासी आजाद सिंह यादव पुत्र अभयराज क्षेत्र के प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए है।आज के इस दौर में सरकारी नौकरी पाना कितना दुर्लभ हो गया है की आप इसी बात से अंदाजा लगा सकते है की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते छात्रों की आधी उम्र निकल जाती है मगर उन्हें सफलता नही मिल पाती वही महज 24 साल के आजाद सिंह यादव ने एक नही बल्कि तीन बार सफलता पाकर क्षेत्र के प्रतियोगी परीक्षाओं में तमाम छात्रों के लिए रोल मॉडल बन गए है।आजाद सिंह का चयन टीजीटी,पीजीटी के बाद अब वढढरउ द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेक्चरर पद के लिए हुआ है। लगातार तीसरी सफलता से उनके परिवार, परिचित और शुभचिंतको में हर्ष व्याप्त है।पढ़ाई-लिखाई में शुरू से अव्वल आजाद ने हाईस्कूल की परीक्षा जिला पंचायत इंटर कॉलेज उग्रसेनपुर, इंटरमीडिएट विजय लक्ष्मी पंडित कॉलेज फूलपुर से उत्तीर्ण करने के बाद, स्नातक की पढ़ाई कानपुर विश्वविद्यालय और परास्नातक इलाहाबाद विश्विद्यालय से किया और 2019 में जेआरएफ में चयनित हो गए।आजाद सिंह यादव के पिता अभरायराज यादव ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की सफलता पर गर्व है वह इसी तरह तरक्की करे और क्षेत्र परिवार का नाम रोशन करे मै ईश्वर से बस यही प्रार्थना करुँगा।आजाद का कहना है कि अगर आप ईमानदारी और पूरी निष्ठा लग जाए तो आपको सफलता से कोई नही रोक और हां सफलता का कोई शॉर्ट कट नही होता अगर आप सफलता पाना चाहते है तो आपको तपना पड़ेगा।आजाद सिंह यादव के मित्र अमरदीप यादव, सूर्या यादव, अजय सिंह, प्रकाश तिवारी, चंद्रशेखर पटेल, सुधीर यादव, आकाश यादव, राहुल यादव, चंद्रशेखर यादव, धर्मजीत ठाकुर, जगमोहन यादव, देवेंद्र पाल, संदीप पाल, प्रदीप यादव,पवन शर्मा ने उनकी सफलता पर बधाई दिया।

प्रधान पति पर हुए जानलेवा हमले की शिकायत पहुंची उप मुख्यमंत्री के दरबार

अखंड भारत संदेश

प्रधान संघ ने किया अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग, सोरांव पुलिस की उदासीनता के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद

सोरांव। गुरुवार को सोरांव थाना क्षेत्र के बाहर सराय निवासी व प्रधान पति राम गणेश मौर्य अपने घर पर थे। तभी गांव के कुछ लोगों ने सुबह लगभग 9 बजे फोन पर बताएं कि दूसरे गांव के लोग आकर अपने गांव की ऊसर भूमि को कब्जा कर रहे हैं। इतने में ग्राम प्रधान मनोरमा देवी अपने पति संग मौके पर गई। और कब्जा कर रहे लोगों को कब्जा न करने की बात कही। इतने में विपक्षियों ने प्रधान पति पर जानलेवा हमला कर दिए और इतना ही नहीं बगल स्थित तालाब में उठा कर फेंक दिए। जिससे प्रधान पति घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे प्रधान संघ सोरांव के प्रधानों ने थाने का घेराव किए। तब पुलिस ने तुरंत पीड़ित की तहरीर पर भू माफिया सुमित यादव उर्फ खुशदिल यादव पुत्र हरी प्रताप,राजेंद्र कुमार पटेल, त्रिभुवन कुमार पटेल, सतीश कुमार पटेल, महेंद्र कुमार पटेल, निवासी बादलपुर थाना सोरांव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राण घातक हमला, छिनैती जैसे मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन पुलिस की उदासीनता से अब तक अपराधियों को पकड़ा नहीं गया जिससे पूरा परिवार डरा सहमा है। जिसको लेकर शनिवार को प्रधान संघ अध्यक्ष लल्लन पासी की अगुवाई में पीड़ित पक्ष प्रयागराज में आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात कर शिकायती पत्र दिए। तथा अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत ही जल्द अपराधी सलाखों के पीछे होंगे।

समाधान दिवस पर मण्डलायुक्त ने की जनसुनवाई

मऊआइमा समाधान दिवस पर थाना परिसर में समस्याओं को सुनते मण्डलायुक्त आईजी रेंज राकेश सिंह व एसडीएम

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। शनिवार को समाधान दिवस पर आला अधिकारियों ने जन सुनवाई की तथा सभी शिकायत पत्रों का शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देशित किया। कुल एक दर्जन शिकायाती पत्र आए जिसमें तीन का निस्तारण किया गया। शनिवार को मऊआइमा थाना परिसर में मण्डालायुक्त संजय गोयल , आईजी रेंज राकेश सिंह, एसडीएम डॉ. कंचन, तहसीलदार ओमप्रकाश शुक्ला आदि अधिकारी आए तथा जन सुनवाई किए। तमाम शिकायाती पत्रों को सम्बंधित लोगों देकर शिकायतों का शीघ्र व गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण हेतु निर्देश दिए । कुल एक दर्जन प्रार्थनाएं आए जिनमें तीन का निस्तारण किया गया । अधिकांश जमीन सम्बंधित मामले आए। आईजी रेंज राकेश सिंह ने मऊआइमा थाने के अभिलेखों का निरीक्षण किए तथा जरूरी दिशा निर्देश देकर चले गए।

समाधान दिवस पर नैनी थाने पहुंचे डीएम व एसएसपी

नैनी। शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर नैनी कोतवाली में थाना समाधान दिवस मनाया गया।इस मौके पर जिला अधिकारी प्रयागराज एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अजय कुमार पांडे पुलिस अधीक्षक यमुना पार सौरभ दिक्षित एसडीएम करछना क्षेत्र अधिकारी करछना नैनी थाना प्रभारी नैनी थाना एस एस आई, कानूनगो लेखपाल मौजूद रहे और साथ ही डीएम प्रयागराज ने वहां उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुनकर यथाशीघ्र निस्तारण कराने हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया गया।

नकब लगाकर नगदी समेत लाखों के आभूषण चोरी

अखंड भारत संदेश

मकान में काटी गई नकब को देखते ग्रामीण।

सहसों। चन्दरपुर उर्फ बसमहुआ गांव में शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने घर के पीछ से नकब लगाकर घर में घुसे तथा कमरे की कुंडी तोड़कर कमरे में रखा लाखों रुपए का आभूषण , कीमती कपड़े, पीतल के बर्तन व नगदी अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। सुबह जब घर के लोग जगे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और कमरे में सामान बिखरे हुए थे। सभी के होश उड़ गए। घरवाले तत्काल अपने अपने कमरे की तलाशी ली तो पता चला सब कुछ लुट चुका है।परिजन ने इसकी सूचना पीआरबी पुलिस तथा थरवई पुलिस को दिए। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल की तो घर से 500 मीटर दूर खेत में दो बाक्स टूटे हुए मिले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थरवई थाना क्षेत्र के चन्दरपुर उर्फ बसमहुआ गांव निवासी जुम्मन व जमीन का परिवार संयुक्त रूप से एक ही मकान में रहता है। शुक्रवार की रात पूरा परिवार रोज की तरह भोजन करके मकान के चारों दरवाजों में ताला बंद कर बरामदे में सोने चले गए। अज्ञात चोरों ने मौका पाकर पीछे की दीवार में सेंध लगाकर घर के अन्दर प्रवेश कर गए तथा चारों कमरों का ताला तोड़कर आभूषण, कीमती कपड़े, पीतल के बर्तन व नगदी चोरी कर ले गए। जुम्मन ने बताया कि पूरे मकान में पांच कमरे हैं। जिसमें चार कमरे में क्रमशः मेरा परिवार,मेरे भाई जमील का परिवार, बहू तथा मां रहती है। जिसमें अलग-अलग कमरों में सबका अपना कीमती सामान रखा हुआ था। अज्ञात चोरों ने पीछे की दीवार में सेध लगाकर एक कमरे में सोए हुए मेरे भतीजे के कमरे को बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। बाकी चार कमरे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए जिसमें हमारे कमरे में रखा लगभग डेढ़ लाख रुपए का आभूषण तथा 10000 नगदी एवं जमील के कमरे में लगभग ढाई लाख कीमत के आभूषण तथा 70000 नगदी, इसके अतिरिक्त बहू शहजादी के कमरे में लगभग सात लाख के आभूषण एवं 10,000 नकदी के अतिरिक्त मां के कमरे में रखे पुराने आभूषण चोरों ने पार कर गए। शनिवार की सुबह जब घर के लोग सोकर उठे तो देखा कमरे का ताला टूटा हुआ था और कमरे में सामान बिखरा हुआ था अलमारी खुली हुई थी और उसमें रखे कीमती सामान सब गायब मिले। यह देखकर सभी के होश उड़ गए। जमील ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि कुल मिलाकर अठारह से बीस लाख रुपए के गहने तथा 75000 हजार नगदी चोरों ने उठा ले गए। जमील ने थरवई पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। चोरी की बडी वारदात से पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ है।

सडक का बोर्ड, बाइक तथा विधालय में हुई चोरी

मऊआइमा। बाइक खडी करके शौच करने गए युवक की बाइक चोरी हो गई।दूसरे गांव में सडकों पर सरकारी बोर्ड चोरी हो जाने का मुकदमा दर्ज कराया गया है।जबकि विधालय में भी चोरी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ के मान्धाता के देल्हूपुर निवासी फूलचंद्र गुप्ता पुत्र मोतीलाल की तबीयत खराब थी ।वह बाइक से मऊआइमा दवा लेने आ रहे थे। बताया गया है कि जैसे वह मऊआइमा के बसौनापुर के पास पहुंचे सडक के किनारे बाइक खडी करके शौच करने चले गए। जब वापस आए तो चोर बाइक उडा चुके थे। फूलचंद्र ने अज्ञात में मुकदमा मऊआइमा थाने में दर्ज कराया है । उधर ग्राम नईबाजार निवासी डाक्टर रचित पांडेय का आरोप है कि सरकार द्वारा निर्मित सडकों के किनारे लगे लोहे के बोर्डों को अज्ञात चोर चोरी कर लिए हैं। डाक्टर रचित पांडेय ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । उधर ग्राम सराय सुलतान उर्फ पूरे मखदूम में स्थित प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने गैस सिलेंडर ,कुर्सी,अभिलेख तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए। प्रधानाध्यापक दिवाकर द्विवेदी ने मुकदमा दर्ज कराया है।

बीएड छात्रा का अपाचे सवार युवकों ने बैग पर मारा झपट्टा

सहसों। क्षेत्र में चोर उचक्के इतने मन बढ़ एवं निडर हो गए हैं कि उनके लिए पैदल चल रहे राहगीरों से बैग झपटना, लड़कियों से बदतमीजी से पेश आना, किसी के ऊपर पान खाकर थूक देना आम बात हो गई है। कुछ इसी तरह सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत सहसों- महरौड़ा मार्ग पर शनिवार को सुबह नौ बजे एक डिग्री कॉलेज में पढ़ने जा रही बीएड द्वितीय सेमेस्टर की एक छात्रा सवारी गाड़ी से उतरकर पैदल कॉलेज की तरफ जा रही थी। इस बीच अपाचे गाड़ी सवार दो युवक पहुंचे और उसके बैग पर झपट्टा मार लेकर रफूचक्कर हो गए। बैग में मोबाइल व साढ़े छह सौ रुपए रखा हुआ था। घटना की जानकारी मिलने पर कालेज के छात्र उग्र हो गए। वह मौके पर पहुंचकर बदमाशों को पकड़ने के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही सहसों पुलिस चौकी प्रभारी दयाराम व 112 नंबर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार्यवाही का आश्वासन देते हुए उग्र छात्रों को शांत कराया। इसके पहले 6 जून को भी बीएड तृतीय सेमेस्टर की एक छात्रा का भी इसी तरह बदमाशों ने स्कूल जाते समय बैग छीन लिया। बैग में एक मोबाइल व कपड़ा खरीदने के लिए पांच हजार रुपए रखा हुआ था। यही नहीं दो दिन पहले गुरुवार को कॉलेज जा रही एक छात्रा के ऊपर उधर से गुजर रहे उचक्कों ने पान खाकर थूक दिया। जिससे उक्त छात्रा का पूरा ड्रेस खराब हो गया।

चौकी प्रभारी के लिए अवैध खनन चुनौती भरा!

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। सिकायत के बाद हल्का का फेर बदल कर खीरी से लेडियारी नवागंतुक पुलिस सहायता केंद्र चौकी प्रभारी चन्द्रशेखर के लिए अवैध खनन एक चुनौती है इसे रोकने के लिए क्या हथकंडा अपनाते हैं अब देखना है कि अवैध खनन रोकने में कितना सफल होंगे यह चुनौती भरा है। बताया जाता है कि खीरी थाने की पुलिस चौकी लेडियारी में अवैध खनन जोरों पर चल रहा है इसकी शिकायत उच्चाधि कारियों तक पहुंची थी शिकायत को संज्ञान में लेकर कड़ी कार्यवाही हुई परंतु अवैध खनन में कुछ पुलिसकर्मी की संलिप्तता बताई जा रही है चौकी प्रभारी लेडियारी लिप्त पुलिसकर्मियों के लिए कौन सा कदम उठाएंगे तथा अवैध मादक पदार्थों पर अंकुश लगेगा कि पूर्व की तरह अनवरत चलता रहेगा यहां लगातार यह देखा जा रहा है कि चाहे खनन माफिया हो या गांजा माफिया हो यहां पर इनका बोलबाला रहा है इनके इशारे पर चौकी चलती है चौकी प्रभारी भी उन्हीं के स्वर में जी सर हा सर करते देखे गए परंतु नवागंतुक चौकी प्रभारी के लिए चुनौती भरा है अब देखना है कि कितना सफल होंगे यह आने वाला समय बताएगा।

वर्जन : थाना प्रभारी खीरी अनिल बर्मा का कहना है कि भाग की दुकान लेडियारी बाजार में है लेकिन गांजा बिक रहा है या नहीं इस बारे में हमें जानकारी नही है में पता लगा रहा हूं।सही पाया गया तो होगी कार्यवाही।गांजा बेचने वाले मनमाने दुकान की दुकान पर सीज की कार्यवाही की जाएगी।

समाज सेवी महिलाओं नें वृद्धाआश्रम में वृद्धजनों को कराया भोजन दिऐ उपहार

अखंड भारत संदेश

गर्मी में राहत के लिए उपहार में दिए पंखा

नैनी। समाजसेवी महिला खुशबू केसरी की अगुआई में नैनी अरैल मोड़ स्थित आधारशीला वृद्धा आश्रम में वृद्ध महिलाओं को निस्वार्थ भाव के साथ भोजन कराया साथ ही उन्हें उपहार भी भेट किया। इस अवसर पर समाज सेविका खुसबू केसरी ने कहा की हम सभी को इस तरह के पुनीत कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। इस आश्रम में स्थित बुजुर्गजन हम सब की माँ है, इनका ध्यान देना व इन्हे अकेलापन महसूस ना हो इसके लिए हमें इन के पास इस तरह कार्यक्रम करते रहना चाहिए साथ ही समाज सेविका खुशबू केसरी द्वारा यह संदेश भी दिया गया कि वृद्धा आश्रम कुछ लोगों के लिए आशीर्वाद हो सकता है। जबकि अन्य लोगों के लिए एक अभिशाप भी हो सकता है। वृद्धाश्रम लोगों की अंतिम आशा है। इसलिए उन्हें हर सुख सुविधाओं से सुसज्जित होना चाहिए। उसे सुसज्जित करना हम सभी का कर्तव्य है। जिससे वहाँ रहने वाले लोग एक बेहतरीन जीवन यापन कर सके।इस अवसर पर मुख्य रूप से आश्रम के प्रबंधक सुशील श्रीवास्तव, असिस्टेंट आनुकृति श्रीवास्तव, मुंगरा बादशाहपुर जनपद जौनपुर उत्तर प्रदेश से आई समाज सेविका खुशबू केसरी, वर्षा केसरी बबीता सिंह ,अंजू जयसवाल, प्रियंका केसरी, संगीता केसरी एवं लक्ष्य केसरी द्वारा आधारशिला वृद्धा आश्रम नैनी में अन्न फल एवं पंखे का वितरण किया गया।

खबर संक्षेप

नैनी में वृहद रोजगार मेले का आयोजन 30 जून को

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज परिसर में दिनांक गुरुवार को प्रातः 10:00 बजे एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया है । इस मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक प्रा0लि0, सिवाशक्ति बॉयो टेक्नालॉजी लि0, सूर्या इलेक्ट्रानिक्स, हिमालयन मैनपॉवर सर्विसेज, कैरियर ब्रीज स्किल साल्यूशन, कल्यानी सोलन पॉवर, पुखराज हेल्थकेयर प्रा0लि0, रूपन ट्रांसपोर्टेशन प्रालि.(रैपीडो), नवभारत फटीलाइजर, भारत हैवेल्स इलेक्ट्रानिक मैनपॉवर, पंतकली एग्रो प्रालि. इत्यादि द्वारा विभिन्न पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। इस मेले में हाईस्कूल/ इण्टर/ स्नातक/ परास्नातक/आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। उक्त मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थियों को सेवायोजन पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण सेवा योजन पोर्टल पर प्राप्त कर सकते है। इस हेतु यात्रा भात्ता देय नहीं होगा।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अमृत सरोवर के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

अधिकारियों के साथ बैठक करते उपमुख्यमंत्री

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर, सार्वजनिक उद्यम एवं राष्ट्रीय एकीकरण विभाग की समीक्षा की। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने अमृत सरोवर के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। बरसात के मौसम को देखते हुए योजना के साथ कार्य को पूरा करें। चिन्हित नदियों को पुर्नजीवित करने के लिए सभी सम्बंधित अधिकारीगण कार्ययोजना के अनुसार कार्य को आगे बढ़ायें। समूह शक्तियों के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि इन समूह शक्तियों की आय बढ़ाने के लिए कार्य किया जाना चाहिए साथ ही इनकों वहीं पर बाजार भी उपलब्ध कराया जाये। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इससे जुड़कर लाभान्वित होगी। महिला मित्र की संख्या जनपद में कम होने पर उन्होंने महिला मित्रों की संख्या को बढ़ाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने जनपद में वीडीओ की संख्या ब्लाकों की अपेक्षा कम होने पर सम्बंधित अधिकारियों से प्रपोजल बनाकर प्रस्तुत करने को कहा। उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में कुछ ग्राम विकास अधिकारियों के कार्य प्रणाली की लगातार शिकायत प्राप्त होने पर उन्होंने ऐसे ग्राम विकास अधिकारियों को चिन्हित कर उनकी जांच कराकर कार्रवाई करने के लिए कहा है। उन्होंने निमार्णाधीन ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण में जो भी समस्यायें आ रही है, उसका तत्काल निस्तारण कराते हुए निर्माण कार्य को पूरा कराये जाने के निर्देश दिए है।

जमुनीपुर में ट्रक चालक से हुई छिनैती

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि आए दिन चोरी व छिनैती की घटना को अंजाम दे रहे है। जहा शातिरों ने सरेआम पूर्व विधायक के चाचा की रिवाल्वर गायब करदी वही रात में जमुनीपुर गांव में गिट्टी लेकर आये ट्रक चालक को पीट कर रुपए छीन लिए और गस्त कर रही रोवर को भनक तक नही लगी। क्षेत्र में सड़क का काम चल रहा है बताया जाता है कि शुक्रवार की रात जसरा के भेलाव गांव निवासी रविंद्र सिंह की ट्रक गिट्टी लाद कर जमुनीपुर आई थी गिट्टी गिराने आई थी। रामलीला मैदान में गिट्टी गिराने के बाद चालक दलबीर सिंह गाड़ी लेकर खड़ा था आरोप है कि बुलेट से दो लोग मुह बाध कर आये और मारने लगे उसकी जेब में दो हजार के करीब रुपये थे वह भी छीन लिया और धमकी दिया की फिर आओगे तो गोली मार देंगे। घटना की वजह से ट्रक चालकों में आक्रोश है और वह शनिवार को काम करने नही आये।

श्री रामायण यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के पयर्टक यात्रियों के प्रयागराज आगमन की तैयारियों के सम्बंध में जिलाधिकारी ने की बैठक

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में संगम सभागार में शनिवार को श्री रामायण यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के पयर्टक यात्रियों के प्रयागराज आगमन की तैयारियों के सम्बंध में बैठक की। उन्होंने यातायात, पार्किंग तथा पयर्टन स्थलों पर साफ-सफाई कराये जाने के साथ ही संगम नोज पर जेटी की बैरिकेंटिंग कराये जाने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त रखने के लिए कहा है। उन्होंने चिकित्सकों की एक टीम की भी व्यवस्था रखने के निर्देश दिए है। आध्यात्मिक पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए रेल मंत्रालय ने श्री रामायण यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की शुरूआत की है। यह ट्रेन 18 दिनों की यात्रा में भगवान श्री राम के जीवन से जुड़े देश के विभिन्न स्थलों से गुजरेगी। पर्यटक यात्रीगण दिनांक सोमवार को सर्वप्रथम प्रातः गंगा-यमुना संगम व बड़े हनुमान जी के दर्शन करेंगे। इसके उपरांत भरद्वाज आश्रम और श्रृंगवेरपुर का भ्रमण व दर्शन करेंगे। तत्पश्चात यात्रा के क्रम में पर्यटक ट्रेन से चित्रकूट के लिए रवाना होंगे।

शाह आलम का घर भी गिराएगा पीडीए, घर पर नोटिस चस्पा

अखंड भारत संदेश

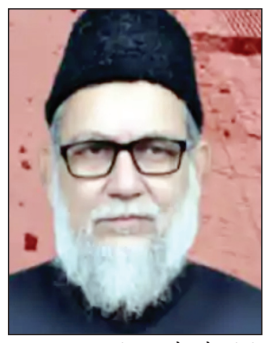

प्रयागराज। अटाला क्षेत्र में 10 जून को हुई हिंसा में कार्रवाई जारी है। हिंसा के मुख्य आरोपियों में शामिल एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष शाह आलम के घर पर भी बुलडोजर चलेगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानी पीडीए ने शाह आलम के घर पर अवैध निर्माण का कारण बताओ नोटिस चस्पा किया है। 29 जून तक नोटिस का जवाब देने का समय दिया गया है।

नोटिस में लिखा अवैध निर्माण क्यों न ध्वस्त कर दिया जाए : पीडीए के जोन-2 के अधिकारी अजय कुमार ने शाह आलम के भाई सैयद मकसूद अहमद के मकान को लेकर नोटिस भेजा है। यह प्रयागराज के गौशनगर करेली का 37/18 जे नंबर का मकान है। नोटिस में लिखा है कि नगर नियोजन और विकास अधिनियम 1973 की धारा 14 व 15 के तहत पीडीए से इजाजत लिए बिना अवैध निर्माण किया गया है। दो फ्लोर के इसी भवन में शाह आलम का भी हिस्सा है। दोनों भाई एक ही मकान में रहते हैं।नोटिस में कहा गया है कि भवन बिना नक्शा पास कराए बना लिया गया है। इसकी लंबाई और चौड़ाई 40 ७ 50 फीट है। मकान में रोड वाईडिंग और सेटबैक करते हुए अवैध निर्माण किया गया है। मकसूद अहमद और शाह आलम सगे भाई हैं और दोनों का घर एक ही है। दोनों का मकान नंबर एक ही है।

लग सकता है 50 हजार का जुर्माना : नोटिस में कहा गया है कि यूपी नगर नियोजन और विकास अधिनियम 1973 की धारा 26 (1) की ओर आकर्षित किया जाता है। आपने बिना ढऊअ की अनुमति के बिना आपने घर बना लिया है। इस निर्माण के लिए सिद्ध दोष व्यक्ति को 50 हजार रुपए जुमार्ना लगाया जा सकता है। यह कार्रवाई मकान के ध्वस्तीकरण के अलावा होगी।

हिंसा के बाद से शाह आलम चल रहा है फरार : पुलिस अभी तक अटाला हिंसा के मास्टर माइंड समेत करीब 100 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। मगर, अभी तक शाह आलम पकड़ से दूर है। उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया गया है। पुलिस उसे खोज रही है पर वह अभी गिरफ्त से बाहर है। जावेद और शाह आलम पर 10 जून को अटाला हिंसा को भड़काने और मुख्य भूमिका निभाने के आरोप हैं। दोनों के खिलाफ करेली थाने में गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है। जावेद पंप का घर भारी पुलिस बल के बीच पीडीए ने पहले ही ध्वस्त कर दिया है। ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई को जावेद पंप की पत्नी परवीन फातिमा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चैलेंज किया है।

25 जून भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिन : केशव मौर्य

प्रयागराज। सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 25 जून 1975 का दिन आजादी के बाद लोकतंत्र के लिए काला दिन है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद जो कुछ हुआ था वह एक काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि आपातकाल देश पर एक काला धब्बा है। आपातकाल लोगों की आजादी को कब्जे में करने का एक प्रयास था।डिप्टी सीएम ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी इस दिन को आपातकाल दिवस के रूप में मना रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी कभी-कभी लोकतंत्र की बात करती है, लेकिन उनका क्या इतिहास रहा है यह उन्हें याद करना चाहिए।डिप्टी सीएम ने कहा है कि आज का दिन देश के इतिहास में काला दिन है और इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा है कि देश की उज्जवल कीर्ति पर कांग्रेस द्वारा आज के दिन काला धब्बा लगाया गया। यही वजह है कि लगभग पूरा देश से आज कांग्रेस मुक्त होने की ओर आगे बढ़ रही है।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि द्रौपदी मुर्मू एक गरीब और आदिवासी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने जो देश और समाज की सेवा की है वह ऐतिहासिक रहा है।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय नेतृत्व लगातार सभी दलों से द्रौपदी मुर्मू जी को समर्थन देने की अपील की है। सभी लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू जी को समर्थन दें।उन्होंने कहा कि पूरे देश में द्रौपदी मुर्मू जी को लेकर एक पाजिटिव माहौल है और लगातार उनके पक्ष में माहौल और मजबूत हो रहा है। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के बाद कल 26 जून को होने वाली मतगणना को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि दोनों सीटों पर बीजेपी शानदार प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा है कि पूरा विश्वास है कि उपचुनाव के परिणाम भाजपा के खाते में ही आएगा।

न्यूज झरोखा

पंच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा, कल्याणोत्सव व संप्रोक्षण महोत्सव महायज्ञ 27 से

मेजा रोड। मेजा के मेजारोड स्थित श्री सिद्ध हनुमान मानस मंदिर मे 27 जून से पंच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा, कल्याणोत्सव व संप्रोक्षण महोत्सव महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ महोत्सव जगद्गुरु रामानुजाचार्य प्रयाग पीठाधीश्वर, श्री धराचार्य जी महाराज बैकुंठ धाम, प्रयागराज की अध्यक्षता में शुरू होने जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव महायज्ञ के मुख्य यजमान विजयानंद उपाध्याय हैं। कथा की शुरूआत मे सोमवार 27 जून को प्रथम संप्रोक्षण , कलश यात्रा, मृदाहरण अंकुरार्पण, आचार्य वरण, संकल्प व मंगलवार 28 जून को पीठपूजन, यज्ञकर्म तोरण, जलाधिवास एवं वेदपाठ व बुधवार 29 जून को अन्नाधिवास, पुष्पसय्या, फल, औषधि, रत्नाधिवास, वेदपाठ व गुरुवार 30 जून को पंचामृत स्नान, कलश, घंटा पूजन एवं शाम को नगर भ्रमण, देवदर्शन, शोभायात्रा व शुक्रवार 1 जुलाई को प्राणन्यास, नेत्रोन्मिलन नामकरण एवं श्रीमद् रामचरितमानस जी का अखण्ड परायण व शनिवार 2 जुलाई को पूणार्हुति हवन एवं विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया है। उक्त महोत्सव महायज्ञ की जानकारी मानस प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष ई नित्यानंद उपाध्याय ने दी है।

विश्व हिंदू महासंघ ने की आपातकाल पर चर्चा

नैनी। आपातकाल पर परिचर्च विश्व हिन्दू महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय पर राजकुमार केशरवानी की अध्यक्षता में हुई संपन्न हुई। जिसमें 25 जून 1975 में इन्दिरा सरकार द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल पर परिचर्चा की गई परिचर्चा को सम्बोधित करती हुई मातृशक्ति की प्रदेश मन्त्री डाक्टर रमा सिंह ने आपातकाल को काला दिवस के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि आपातकाल का कोई कारण न होते हुए भी तानाशाही के बल पर देश के सभी विपक्षी पार्टी व राष्ट्रवादी नेताओं को बिना किसी कारण के झूठे मुकदमे लादकर जेल में ठूंस दिया गया और उनपर जबरदस्त अत्याचार किये गये परिचर्चा में भाग लेते हुए प्रयागराज मण्डल प्रभारी राम प्रसाद यादव ने कहा कि आपातकाल में पुलिस का अत्याचार इतना बढ़ गया कि गरीबों को जबरन पकड़कर कहीं नसबन्दी करा दी जाती थी तो कहीं फर्जी मुकदमे लादकर जेल में ठूंस दिया जाता रहा परिणाम यह हुआ कि सन् 1977 के चुनाव में जनता ने अपना आक्रोश जताते हुए विपक्षियों के द्वारा बनाये गये नये दल जनता पार्टी को प्रचण्ड बहुमत से सत्ता सौंपदी परिचर्चा में उपस्थित सर्वश्री आनन्द जी ठण्डन धीरज शर्मा कुलदीप केशरवानी रोशनी अग्रवाल लता उपाध्याय सुनीता चोपड़ा कुलदीप केशरवानी अंकुर टण्डन प्रकाशानन्द शर्मा जितेन्द्र बजरंगी ओमप्रकाश सेठ विकाश चन्द्र त्रिपाठी स्वारिका भारद्वाज शिखा खन्ना अमित केशरवानी नीरज अग्रवाल प्रेमा श्रीवास्तव ने कहा कि आज के दिन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए आपातकाल को काला दिवस के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने पंवरी में की मुहल्ला बैठक

करछना। एजुकेट गर्ल्स संस्था के द्वारा पंवरी ग्राम सभा में बालिकाओं के नामांकन के लिए मोहल्ला बैठक का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम प्रधान कौशलेश यादव तथा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र त्रिपाठी जी एवं आंगनवाड़ी पुष्पा यादव तथा फील्ड कोऑर्डिनेटर साथी विजय सिंह पटेल, टीम बालिका रेशमी यादव, टीम बालिका रंजना कुमारी ,तथा प्रीति यादव टीम बालिका पंवरी एवं गांव के नामांकित एवं शाला त्यागी बालिकाओं के माता-पिता उपस्थित रहे ।ग्राम प्रधान कौशलेंद्र यादव ने अपनी बात को रखते हुए बालिका शिक्षा बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने में एजुकेट गर्ल्स संस्था की हर प्रकार से मदद करने की बात कही तथा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने कहा कि अब बालिकाएं किसी भी क्षेत्र में बालकों से पीछे नहीं हैं इसलिए हम सबको बालिका शिक्षा के लिए आगे आना होगा तथा अंत में फील्ड कोऑर्डिनेटर साथी विजय सिंह पटेल ने आए हुए समस्त अतिथियों एवं बच्चों का आभार प्रकट किया।

अध्यापक हैं युग निर्माता व छात्र राष्ट्र का भाग्य विधाता :अनिल विश्वकर्मा

जसरा। बलापुर स्थित कमला स्मारक इंटर कालेज मे शुक्रवार कों मेधावियों का माल्यार्पण, मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार विश्वकर्मा नें बताया कि विद्यालय के स्थापना काल से कमला स्मारक इंटर कालेज का परिणाम सदैव से सराहनीय रहा हैं इसके पीछे विद्यार्थियों के अटूट दृढ़संकल्प, आत्म विश्वास, कड़ी मेहनत के साथ ही कुशल अध्यापकों के द्वारा अध्यापन एवम मार्गदर्शन प्रमुख रूप से अहम भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार विश्वकर्मा के द्वारा जैसे ही विद्यार्थियों कों माल्यार्पण किया गया मेधावियों की आँखे नम हों गयी उपस्थित सम्मान समारोह मे सभी लोगों की आँखे खुशी के आंसू से नम हों गयी। राष्ट्र के उत्थान हेतु जब प्रबंधक श्री विश्वकर्मा के द्वारा इस लाइन कों बोला गया "अध्यापक हैं युग निमार्ता, छात्र राष्ट्र के भाग्य विधाता"तो विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका विश्वकर्मा नें उपस्थित मेधावियों कों नेक एवम काबिल इंसान बनने के साथ राष्ट्र की सेवा हेतु आशीर्वचन प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों सहित विद्यालय के शिक्षकगण मौजूद रहें।

सांसद बन शहर प्रयागराज पहुचे प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

कांग्रेसियों ने किया गया जोरदार स्वागत

प्रयागराज। राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद पहली बार प्रयागराज पहुचें कांग्रेस के सिडब्लूसी प्रमोद तिवारी का पार्टी कार्यकताओं व समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। शनिवार को सांसद प्रमोद तिवारी दिल्ली से दोपहर 12 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर पहुचें तो डीजे की धुन पर नाचते कोंग्रेसियों ने फूल - मालाओं से लाद दिया और अबीर गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया। पीपल गाँव, झलवा, राजरुपुर, चकिया, करबला, सिविल लाइन्स आदि स्थानों पर उत्साहित समर्थकों ने राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी का गुलाब की पाखुड़ियों से स्वागत किया। पार्टी कार्यकताओं की भारी भीड़ के चलते प्रमोद तिवारी को बमरौली एयरपोर्ट से सिविल लाइन्स एलगिन रोड पहुंचने मे दो घंटे का समय लग गया। रास्ते में अम्बेडर, शहीद चंद्रशेखर आजाद, नेहरू और इंदिरा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं जगह जगह व्यापारी, अधिवक्ता, छात्रों के जुटने के कारण कुछ क्षेत्रों में काफिले में शामिल वाहन रेंगते रहे। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता और संघठन से जुड़े लोगो में एकजुटा दिखाई दी। सिविल लाइन्स एलगिन रोड स्थित आवास पर पहुचें प्रमोद तिवारी ने कांग्रेसजनों और समर्थकों की उमड़ी भीड़ को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोगो के उत्साह को देखकर अद्भुत एहसास हुआ। वहीं सरकार पर निशाना साधते हुए प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाते बताया कि वर्त्तमान परिवेश में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार कि तानाशाही के चलते लोग भयभीत हैं। वहीं शहर कि पहचान को दिन प्रतिदिन समाप्त करने का कार्य किया जा रहा है। जिसका उधारण जनपद में स्थापित सरकारी संस्थानों को यहाँ से हटाया जा रहा है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिले में स्थापित कंपनियों आज बंद कर दिया गया या उनको बेच दिया गया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि जनपद कि प्रमुख समस्याओं को राज्य सभा के पटल पर मजबूती के साथ रखूँगा। प्रमोद तिवारी ने कार्यकताओं को गुरुमंत्र देते हुए कहा की वर्ष 2024 में राहुल , प्रियंका के नेतृत्व में पार्टी चुनाव लड़ेगी जिसके लिये कांग्रेसजनों को जमीनी स्तर पर कार्य करना पड़ेगा। इस बार केन्द्र सरकार की विदाई तय है। इस दौरानः जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी, सुरेश यादव, शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र, विजय प्रकाश, श्यामकृष्ण पाण्डेय, तलत अजीम, सुधाकर तिवारी, तसलीम उद्दीन, संजय तिवारी, फुजैल हाश्मी, हरिकेश त्रिपाठी, मुकुंद तिवारी, हसीब अहमद, किशोर वार्ष्णेय, अनिल पाण्डेय, मनोज पासी, अरुण विद्यार्थी, आशीष पाण्डेय, भोलानाथ तिवारी, मीरा देवी, अंजुम नाज, माधवी राये, महेश त्रिपाठी, पिंटू पाण्डेय, मधु चकाहा, देवी पाण्डेय, शशिकांत, अनिल कुशवाहा सहित आदि लोग मौजूद रहें।

इलाहाबाद विश्व विद्यालय की फीस बढ़ी , 10 नए इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू करने पर भी निर्णय

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नए सत्र 2022-23 से विभिन्न पाठ्यक्रमों में फीस बढ़ाए जाने पर एकेडमिक काउंसिल ने मुहर लगा दी है। फीस केवल पाठ्यक्रमों की ही नहीं बढ़ी है बल्कि छात्रावासों की भी फीस बढ़ा दी गई है। इसके अलावा काउंसिल की बैठक 10 नए इंटीग्रेटेड 5 इयर कोर्स शुरू करने पर भी मुहर लगी है। आइए जानते हैं क्या-क्या महत्वपूर्ण फैसले हुए हैं। **कई दशकों से नहीं बढ़ी विश्वविद्यालय की फीस :** विश्व विद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. जया कपूर का कहना है कि फीस पिछले कई दशकों से नहीं बढ़ी है। 1912 से विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस मात्र 12 रुपये है। सरकार द्वारा अब इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों से खुद पैदा करें। विश्वविद्यालयों के ग्रांट्स में भी कमी करी गई है । इसलिए विश्वविद्यालय की सुचारू रूप से संचालन के लिए यह जरूरी है कि मौजूदा फीस स्ट्रक्चर को पुनरीक्षित किया जाए। अतः सभी रेगुलर यूजी पीजी और पीएचडी कोर्स की फीस को दूसरे केंद्रीय विश्वविद्यालयों की फीस के समकक्ष ही बढ़ाया गया है। नया फीस स्ट्रक्चर सत्र 2022-23 में प्रवेश ले रहे छात्रों पर लागू होगा। यह उन छात्रों पर लागू नहीं होगा जो वर्तमान रूप से विश्वविद्यालय में पढ़ रहे हैं। हालांकि फीस कितने फीसद बढ़ी है इसकी डीटेल विश्वविद्यालय प्रशासन मीडिया को भी नहीं बता रहा है। **20 छात्रावासों की भी फीस बढ़ी :** एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रावासों की दशा ठीक नहीं है। इनकी रखरखाव की और अवैध छात्रों को हटाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के पास इस समय 20 हॉस्टल है, जिनमें से हिंदू हॉस्टल को अभी-अभी शामिल किया गया है। इन हॉस्टल्स की फीस को बढ़ाना जरूरी है, ताकि हॉस्टल का कार्य सुचारू रूप से चलाया जा सके। अतः नए सत्र से 2022-23 से हॉस्टल में एडमिशन लेने वाले छात्रों की फीस में बढ़ोतरी करी जाएगी, ताकि हॉस्टल में दी जा रही सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके यह फीस वर्तमान छात्रों पर लागू नहीं होगी। **प्री पीएचडी प्रोग्राम शुरू होगा :** एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कंबाइन प्री पीएचडी प्रोग्राम शुरू करने पर भी मुहर लगी है। अलग-अलग विभागों के प्री पीएचडी प्रोग्राम की जगह अब हर फैकल्टी का एक प्री पीएचडी प्रोग्राम होगा। यह प्रोग्राम यूजीसी की गाइडलाइन के अनुरूप होगा। इस प्रोग्राम को इफेक्टिव तरीके से लागू करने के लिए प्री पीएचडी प्रोग्राम का अलग फीस स्ट्रक्चर होगा। नया प्रोग्राम 2022-23 में प्रवेश ले रहे छात्रों पर लागू होगी। वर्तमान छात्रों पर यह फीस स्ट्रक्चर लागू नहीं होगा। **सोशल मीडिया के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों पर कसेगा शिकंजा :** डॉ. जया कपूर ने बताया कि एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि सोशल मीडिया में विश्वविद्यालय के खिलाफ लिखने और विश्वविद्यालय को बदनाम करने के कई प्रकरण सामने आए हैं। कुछ लोग अपनी खराब मानसिकता का परिचय देते हुए विश्वविद्यालय को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसको रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि यदि कोई छात्र मीडिया अथवा सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय को बदनाम करने की गतिविधियों में लिप पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी । यदि कोई शिक्षक इस तरह के कार्य में लिप पाया गया और सोशल मीडिया पर भड़काऊ बयान डालते हैं तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

विकलांग महिला के साथ खाकी ने की बदसलूकी , पुलिस अधीक्षक से शिकायत

नाबालिग भांजी के ऊपर पान खाकर थूंकने के बाद दरोगा ने बच्ची को दूर फेंका

लेड़ियारी। मामला खीरी थाना क्षेत्र के सिलौंधी कला गांव का है जहां पीड़ित विकलांग महिला प्रमिला देवी का आरोप है कि 13 जून 2022 को खीरी थाने में तैनात दरोगा पप्पी सोनी अपने दो हमराही सिपाहियों विमल यादव और धीरेंद्र वर्मा के साथ शादी वर्दी में पूछताछ करने के बहाने पीड़ित विकलांग महिला प्रमिला देवी के घर पर पहुंचते हैं और प्रमिला देवी से एक पुराने मामले में भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जेल भेजने की धमकी देते हुए पुराने मामले में दबंगों से समझौता करने का दबाव बनाते हैं। आरोपों के मुताबिक जब पीड़ित विकलांग महिला समझौता न करने की बात करती है तो दरोगा पप्पी सोनी अपने दो हमराहियों विमल यादव धीरेन्द्र वर्मा को महिला को पकड़कर लाने को बोला जाता है ।जैसे ही विकलांग महिला को पकड़ने के लिए सिपाही दौड़ता है वैसे ही अपने बचाव में पीड़िता चिल्लाने लगती है। पीड़ित विकलांग महिला के जोर जोर से चिल्लाने पर दारोगा भद्दी गालियां देते हुए मारपीट करने लगता है। अपनी मामी को पिटता हुआ देख घर में आई नाबालिग भांजी भी छोड़ाने के लिए कूद पड़ी तो उसको भी नहीं बख्शा गया। पीड़िता ने बताया कि दरोगा पप्पी सोनी ने नाबालिग मासूम बच्ची पर पान खाकर थूंका और बच्ची को झटक दिया जो दूर जा गिरी। पीड़ित विकलांग महिला अपने दाहिने पैर के कूल्हे का आपरेशन एक महीना पहले ही करवाई थी।पीड़ित विकलांग के पैर के कूल्हे में चोटें आई हैं और शरीर पर चोट के निशान भी हैं। जब पुलिसकर्मियों के पूरी करतूत का वीडियो बनाने लगे तो पुलिसकर्मियों ने मोबाइल छीनकर ले लिया। जिसके बाद दिव्यांग पीड़ित महिला को दबंगों से मामले में समझौता न करने पर फर्जी मामले में फंसाकर धमकाने के अंदाज में भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जेल भेजने की बात करते हुए निकल गए। सुबह शौच के लिए गए पति योगेश जब शौच करके लौटे तब तक सादी वर्दी में आए खाकी के तीनों लोग चले गए थे। पीड़िता ने डीएम को जानकारी दी जिसके बाद पीड़ित विकलांग महिला की मेडिकल रिपोर्ट में चोटें आई हैं। ऐसे में पीड़ित विकलांग महिला ने इसकी शिकायत थाने पर की लेकिन थाने पर खाकी के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया जिसके बाद पीड़ित विकलांग महिला प्रमिला देवी ने अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ एसएसपी के चौखट पर न्याय पाने के लिए गुहार लगाई है।

बार एसोसिएशन कोरांव के अधिवक्ता आर-पार के मूड में

तहसीलदार के स्थानांतरण तक अनवरत न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे अधिवक्ता : उमाकांत त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

कोरांव। इस समय तहसील कोराव प्रयागराज में तहसीलदार की मनमानी को लेकर अधिवक्ता एवं आमजन नाराज और तहसीलदार के तत्काल स्थानांतरण होने तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में बार एसोसिएशन कोरांव के अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन देते हुए तत्काल तहसीलदार को अन्यत्र हटाए जाने की मांग की हैं,जिस पर डीएम प्रयागराज ने समुचित कार्रवाई का आश्वासन अधिवक्ताओं को दिया है। उल्लेखनीय है कि तहसीलदार को विशाल कुमार शर्मा जब से तहसील कोरांव में आए हैं तब से सिस्टम गुरु के नाम से प्रसिद्ध है। अधिवक्ताओं और नागरिकों का आरोप है कि सुविधा शुल्क के बिना तहसीलदार द्वारा जनता का कोई भी कार्य नहीं किया जाता, और पैसे के ही बल पर गलत सलत एक पक्ष से एक पक्ष को परेशान करने का कार्य किया जाता है, जिससे लोगों में नाराजगी है। इसके पूर्व भी अधिवक्ताओं ने तहसीलदार के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन रखा गया था और तहसीलदार ने अधिवक्ताओं से क्षमा मांगा था, कि अब भविष्य में हम कोई ऐसा कदम नहीं उठाएंगे जिससे अधिवक्ताओं का अपमान हो, इसके बावजूद भी तहसीलदार में कोई भी सुधार नहीं दिखा, जिससे अधिवक्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर बोर्ड के सचिव और समस्त सछम अधिकारियों तक तहसीलदार कोरांव के खिलाफ पत्र व्यवहार किया गया है। और तत्काल अन्यत्र हटाने की मांग किया है। बार एसोसिएशन कोरांव के अध्यक्ष उमाकांत त्रिपाठी एवं महामंत्री कैलाश सिंह पटेल ने बताया कि जब तक तहसीलदार को हटाया नहीं जाता, तब तक अधिवक्ता गण न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे।

क्या बोले बार के अध्यक्ष एवं महामंत्री

तहसीलदार कोरांव जब तक यहां से हटाए नहीं जाते, तब तक न्यायिक कार्य से अधिवक्ता विरत रहेंगे और तत्काल तहसीलदार को हटाए जाने की मांग करता हूं।

उमाकांत त्रिपाठी बार अध्यक्ष तहसील कोरांव

जब तक तहसीलदार कोराव को यहां से हटाया नहीं जाता, हम अधिवक्ता गण न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे । जिलाधिकारी के आश्वासन से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ऐसे भ्रष्ट तहसीलदार के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

महामंत्री बार एसोसिएशन कोरांव कैलाश नाथ सिंह पटेल

शफीक अध्यक्ष, अनिल बने मेंस यूनियन के मंत्री

अनीस और संजय को यूनियन में मिला स्थान, आपसी एकता को मजबूत करेंरू पांडे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन शाखा प्रतापगढ़ का त्रिवार्षिक अधिवेशन शनिवार को स्टेशन प्रतापगढ़ के वेटिंग हाल में सम्पन्न हुआ। जिसमें मोहम्मद शफीक की अध्यक्ष और अनिल शुक्ला की मंत्री पद पर तीन साल के फिर से ताजपोशी हुई। वहीं नए चेहरे के रूप में मोहम्मद अनीस और संजय डोंगरा को यूनियन में तरजीह मिली है। उपाध्यक्ष बनाकर उन्हें उनकी मेहनत का इनाम दिया है। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर विनय मिश्रा, अवधेश सिंह, सहा० शाखा मंत्री के पद पर मनीष पांडेय, अजय आनन्द किशोर, ज्ञानेद्र मिश्रा

नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन शाखा प्रतापगढ़ के त्रैवार्षिक अधिवेशन में चुने गए पदाधिकारी

अधिवेशन में बोलते मण्डल मंत्री आरके पाण्डेय।

,कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीमती बबिता पांडेय को चुना गया है। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मंडल मंत्री आर०के०पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार कर्मचारियो के पदों में कटौती करती जा रही है। जो कर्मचारी है उन पर काम का बोझ बढ़ता चला रहा है। सरकार नई भर्ती नही कर रही है। यूनियन पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और भी बढ़जाती है।मंडल अध्यक्ष विभूति मिश्रा ने कहा हमारा मंडलीय एव केंद्रीय नेतृत्व मजबूत हाथों में है। मंडल युवा संयोजक रंजन सिंह ने कहा कि यूनियन मे युवाओ को आगे आना होगा। अधिवेशन शुरू होने पूर्व मृत लोको पायलट जी.सी.शर्मा के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। अधिवेशन में सलामत उल्ला, एम.पी.पांडेय, वीरेंद्र सिंह, ओ.पी.राव, संतोष तिवारी, अजय मिश्रा, अमीर चंद्र, जितेंद्र कुमार, धीरज सिंह,राकेश सिंह, एसपी पांडेय, सुशील पटेल, रोशनी, अंजू पाल, मनीता यादव, वी.वी.शुक्ल, शिव शर्मा, डी.के.शर्मा, राजीव रंजन, रईस अहमद, शैलेंद्र मिश्र, मोहित यादव, वी.के.तिवारी, डी.के.सिंह, सत्य प्रकाश, राकेश सरोज, उमेश यादव, पंकज कुमार, सुधीर दूबे, रंजीत मिश्र, एस.के. यादव मौजूद रहे। अध्यक्षता मो० शफीक संचालन ए.के. शुक्ल ने किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुकान पर सामान खरीदने गयी किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी। मां की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। लालगंज कोतवाली के धर्मराज तुलई निवासी अनिल वर्मा की पत्नी गायत्री देवी ने शुक्रवार को पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती चैदह जून को उसकी पन्द्रह वर्षीया बेटी ज्योति गांव स्थित एक दुकान पर सामान खरीदने गयी थी। लेकिन इसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों मे लापता हो गयी। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन किशोरी के बारे में कोई सुराग नही लग सका। पीड़िता की शिकायत पर शुक्रवार की रात अज्ञात आरोपी के खिलाफ किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोतवाल कमलेश पाल ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है, किशोरी को शीघ्र बरामद करने का प्रयास किया जाएगा। किशोरी की बरामदगी के लिए पुलिस की दो टीमों को लगाया गया है।

साक्षात्कार 27 जून को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चैरसिया ने बताया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों में औद्योगिक रोजगार सृजन के उद्देश्य से व्यवहारिक सामूहिक प्रशिक्षण योजना वर्ष 2022-23 हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम पुरूष अभ्यर्थियों हेतु इलेक्ट्रीशियन टेज्ड एवं महिला अभ्यर्थियों हेतु साड़ियों की कढ़ाई व छपाई टेज्ड का साक्षात्कार 27 जून को पूर्वान्ह 11 बजे उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रतापगढ़ कार्यालय में होगा। आवेदित समस्त अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित हो।

लूट के अभियोग से सम्बन्धित दो अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस ने चार देशी बम किया बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के थाना मान्धाता से उ0नि0 सुधीर पाण्डेय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के तिराहे बैराज के पास से थाना स्थानीय के मु0अ0सं0- 173/22 धारा 392, 411 भादवि से सम्बन्धित दो व्यक्ति को 02-02 अदद देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया।

बरामद देशी बम के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर क्रमशः मु0अ0सं0 202/22 व मु0अ0सं0 203/22 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मो0 मेराज पुत्र स्व0 हकीमउल्ला नि0 सुवंशा बाजार थाना फतनपुर व मो0 सरताज पुत्र मो0 सुल्लन नि0 सुवंशा, नई कोट थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़ शामिल रहे। पुलिस द्वारा पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग यहां लूट की घटना करने आये थे, इससे पहले भी 31 मई 2022 को हम दोनों नें हरिहर रामपुर नहर कदम पुलिया के पास रात्रि लगभग नौ बजे एक व्यक्ति से उसकी मोटर साइकिल लूटी थी और उसे छिपा दिये थे, फिर मोटर साइकिल को लेकर छोटी खरवई रेलवे ट्रैक के पास पहुंचा कि मोटर साइकिल रेलवे ट्रैक में फँस गई इतने में मालगाड़ी के आ गई जिससे मोटर साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। अभियुक्तों से पूछताछ में अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी हुई है जिसके सम्बन्ध में नियमानुसार जांच की जा रही है।

पूर्व मंत्री डा0 महेन्द्र सिंह की मां को श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंचे मुख्यमंत्री

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपरान्ह हेलीकाप्टर से कंधई थाना क्षेत्र के करमाही गांव में पूर्व मंत्री डा0 महेन्द्र सिंह की माता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। उनके साथ प्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी आए थे। मुख्यमंत्री लगभग आधे घंटे तक डा0 महेन्द्र सिंह के आवास पर रहे।

उन्होंने डा0 महेन्द्र सिंह की माता के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर पुष्पांजलि अर्पित की और परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर अपरान्ह में तीन बजे करमाही पहुंचा था। उन्होंने सबसे पहले डा0 महेन्द्र सिंह की माता के चित्र पर माल्यार्पण किया। उसके बाद कमरे में चले गये और डा0 महेन्द्र सिंह से कुछ समय तक उनकी माता के विषय

उनके साथ आए थे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, आधे घंटे तक रुके मुख्यमंत्री

डा0 महेन्द्र की मां के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

में जानकारी ली। डा0 महेन्द्र सिंह ने अपनी माता के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद मुख्यमंत्री बगल के कमरे में गये जहां परिजनों से मिलकर डा0 महेन्द्र की मां के निधन पर अपनी गहरी संवेदना जताई और कहा कि हमारी और भाजपा की संवेदनाएं आप सबके साथ है।

वहां से निकलकर मुख्यमंत्री 3.35 बजे सुल्तानपुर के लिये उड़ गये। इसके पहले मुख्यमंत्री के आगमन पर हेलीपैड पर डा0 महेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री मोती सिंह, पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, विधायक राजेन्द्र मौर्य, विधायक जीतलाल व जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। मुख्यमंत्री के आगमन पर पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, विधायक जीतलाल, पूर्व विधायक धीरज ओझा, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा, मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र शुक्ला के अलावा प्रयागराज से आए एडीजी प्रेम प्रकाश, आईजी राकेश कुमार, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मौजूद रहे। इसके अलावा भारी पुलिस बल लगाया गया था। स्थानीय प्रेस व फोटोग्राफरों को अंदर जाने नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे सांसद संगम लाल गुप्ता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में भाजपा सांसद संगम लाल गुप्ता पूर्व मंत्री एमएलसी महेंद्र सिंह की माता के निधन में शोक संवेदना जताने नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री का 30 मिनट का संक्षिप्त कार्यक्रम था। तमाम बडे.नेता मौजूद रहे लेकिन सांसद के न पहुंचने पर चचाओं का बाजार गर्म रहा।

एक जुलाई से संचारी रोग अभियान चलाने की बनी रणनीति

नगर पालिका के सभागार में हुई बैठक

संचारी रोग की बैठक में मौजूद यूनिसेफ के कोआर्डिनेटर व नपा के कर्मचारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश पर नगर पालिका आगामी एक जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाने की रणनीति बनाने के लिये आज शनिवार को नगर पालिका के सभागार में सभासदों तथा यूनिसेफ के अधिकारियों की बैठक हुई बैठक में घरों के आसपास पानी न इकट्ठा होने देने, कूलर का पानी नियमित बदलने तथा मच्छरदानी का प्रयोग करने की सलाह दी गई। यदि कहीं पानी एकत्र है तो उसमें मिट्टी का तेल या एंटी लार्वा डालें जिससे मच्छरों का प्रकोप न बढ़ने पाए। बैठक की जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में यूनिसेफ के कोआर्डिनेटर डा0 वकील के अलावा मलेरिया निरीक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, विवेक, सभासद दीपक, आशुतोष, आशीष के अलावा नगर पालिका के आरआई राजेश बिंद, प्रशांत सिंह, मिथिलेश सिंह, अनिल, महेश आदि मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में सीएचसी सभागार में हुई अफसरों के साथ बैठक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एसडीएम अरूण कुमार सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग के नियंत्रण व दस्तक अभियान को लेकर प्रभावी कार्रवाई हेतु विभिन्न विभागों के कार्यो व दायित्वों का निर्वहन किया गया। नगर पंचायत, क्षेत्र पंचायत, बाल विकास परियोजना समेत स्वास्थ्य विभाग के अफसरों व कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में संचारी रोग की रोकथाम के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। एसडीएम ने कहा कि शासन के निर्देश पर अप्रैल माह से ही संचारी रोगों की रोकथाम व दस्तक अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ हो चुका है। अब इन अभियानों के द्वितीय चरण की गतिविधियां विस्तृत कार्ययोजना के तहत जुलाई माह में संपादित करायी जायेंगी। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से दो टूक कहा कि संचारी रोग व दस्तक अभियान के तहत किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर बीडीओ अश्विनी कुमार सोनकर, नगर पंचायत के ईओ सुभाषचंद्र सिंह, चिकित्साधिकारी डा. रामराज, डा. अशोक, एसपी चैबे, देवकुमार दुबे, आरती द्विवेदी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में पहुंचे पन्द्रह फरियादी, चार शिकायतों का हुआ निस्तारण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित कोतवाली परिसर में शनिवार को क्षेत्राधिकारी रामसूरत सोनकर की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ।

थाना समाधान दिवस में कुल पन्द्रह शिकायतें आयीं। जिसमें पुलिस से सम्बन्धित नौ व राजस्व की छः शिकायतें रहीं। पुलिस व राजस्वकर्मियों की तत्परता से चार शिकायतों का निस्तारण थाना समाधान दिवस में ही कर दिया गया। यहां मौजूद पुलिसकर्मियों व राजस्वकर्मियों को संबोधित करते हुए सीओ रामसूरत सोनकर ने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाना है। इसमें आने वाले फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण हर हाल में सप्ताह भर के भीतर कर दिया जाय। इसमें लापरवाही बरतनें वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम का संयोजन थाना प्रभारी कमलेश कुमार पाल ने किया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, उप निरीक्षक राजेश कुमार, अनीस कुमार यादव, शिशिर पटेल, योगेन्द्र सिंह, केशव प्रसाद आदि मौजूद रहे।

लालगंज कोतवाली में फरियादियों की शिकायत सुनते सीओ रामसूरत सोनकर

तकनीकी परामर्श कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत मात्स्यिकीय विकास विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश स्तर पर मंत्री मत्स्य डा0 संजय कुमार निषाद की अध्यक्षता में तथा जनपद स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में एक बेबीनार व तकनीकी परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य विशेषज्ञ प्रवक्ता शंकर एल0एल0, रजनीश कुमार पी0वी0आर0 एक्या आदि द्वारा वैज्ञानिक ढंग से तकनीकी जानकारी दी गयी जिसमें दूर दराज, ग्रामीण अंचलों से आये 155 मत्स्य पालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में 100 लाभार्थियों का मछुआ दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत आवेदन पत्र प्राप्त किये गये। यह जानकारी प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण द्वारा दी गयी है।

मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन 30 जून को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया हे कि खरीफ अभियान 2022 के अन्तर्गत अधिक फसलोत्पादन हेतु मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन 30 जून दिन वृहस्पतिवार को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रयागराज (एम0एन0ए0एन0आई0टी0) के मल्टीपरपज आडिटोरियम में किया जायेगा। कृषि उत्पादन आयुक्त उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी पूर्वान्ह 10.30 बजे आयोजित होगी। गोष्ठी में जनपद के 100 प्रगतिशील कृषकों की सहभागिता उप कृषि निदेशक सुनिश्चित कराएंगे।

आशनाई में हुई पट्टी के रवि मोदनवाल और उसके साथी की हत्या

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी के रहने वाले रवि मोदनवाल और उसके साथी मनोज का शव एक दिन पहले हैदरगंज में गड्ढे में पाया गया था। मामले में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम होने के बाद घर आया तो परिजनों में हाहाकार मच गया। पट्टी तहसील क्षेत्र के कंधई थाना अंतर्गत आसलपुर गांव के रविकांत मोदनवाल (22) वर्ष अपने पिता रामकृष्ण मोदनवाल के साथ रहकर मिठाई की दुकान तथा नाश्ता चाय की दुकान चलाता था। 23 जून को वह अपने साथी मनोज कुमार मोदनवाल को लेकर के अयोध्या के लिए निकला था 24 जून की सुबह 9 बजे करीब हैदरगंज के पास दोनों साथियों का शव झाड़ियों में मिला था। पुलिस ने मृतक के मोबाइल फोन से घटना की जानकारी परिजनों को दी थी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

घटना के 24 घंटे बाद ही पुलिस ने रवि मोदनवाल की हत्या मामले का खुलासा अयोध्या की पुलिस ने कर दिया है। 24 घंटे के भीतर इस सनसनीखेज घटना का खुलासा मीडिया के सामने अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने किया। उन्होंने बताया

प्रेमिका के घर वालों ने डंडे से वार कर दिया था घटना को अंजाम

शव घर आने पर रोते बिलखते परिजन।

कि 23 जून 2022 को प्रतापगढ़ जिले के लालगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत साहबगंज बाजार निवासी रवि मोदनवाल अपने मित्र मनोज मोदनवाल के साथ मोटरसाइकिल से अयोध्या आया था। घर से यह दोनों युवक अयोध्या दर्शन करने के बहाने निकले थे और यहां अयोध्या के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में शिवपुरी कॉलोनी कटरा में अपनी प्रेमिका से मिलने आए थे। यहां प्रेमिका के घर वालों ने दोनों युवकों की लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को ले जाकर हैदरगंज के पास सड़क के किनारे गड्ढे में फेंक दिया। इस घटना की पड़ताल के दौरान मामले का सच सामने आने पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है उनमें सूरज प्रकाश पुत्र राम नारायण मोदनवाल निवासी शिवपुरी कॉलोनी कटरा थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या के अलावा संदीप मोदनवाल पुत्र सूरज प्रकाश मोदनवाल,शेरू उर्फ जगदेव सिंह,दिलीप कुमार मांझी और विष्णु उर्फ छोटू शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम की सराहना की है। पुलिस टीम में हैदरगंज थाना क्षेत्र के थानाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक राजकुमार यादव, उप निरीक्षक अमर बहादुर पटेल, कॉन्स्टेबल दीपक कुमार यादव, मनोज मौर्या, कृष्ण कुमार यादव, दीप कुमार, देवेंद्र कुमार, महिला कॉन्स्टेबल अंशु कुमारी, एसओजी प्रभारी अरशद खान, कॉन्स्टेबल मुकेश यादव, शिवम यादव, अजीत गुप्ता, विनय राय, चंद्रभान यादव और हेड कांस्टेबल अजय सिंह शामिल रहे।

असामाजिक गतिविधियों में लिप्त तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने की गैंगेस्टर की कार्रवाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। समाज में संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ गैंगेस्टर की कार्रवाई की गयी है। लालगंज कोतवाल कमलेश पाल की ओर से शुक्रवार की रात दी गई तहरीर मे कहा गया है कि पूरे वंशी निवासी त्रिभुवन नाथ गौतम के पुत्र अजीत गौतम, रामपुर भेड़ियानी के रामलाल के पुत्र प्रद्युम्न कुमार सरोज व शिवबोझ निवासी किशोरी लाल के पुत्र सुरेश पासी द्वारा सुसंगठित गिरोह बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। आरोपियों की द्वारा किये गये कृत्य से समाज में लोगों के अंदर भय व दहशत का माहौल बन गया है। कोतवाल की तहरीर पर अजीत गौतम समेत तीनों आरोपियों के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की जा रही है। कोतवाल कमलेश पाल ने बताया कि गैंगेस्टर के तीनों आरोपी असामाजिक गतिविधियों में लिप्त हैं और सभी को गिरफ्तार कर जल्द ही जेल भेजा जाएगा।

लापरवाही व तीव्रता पूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना करने का मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के सांडा हर्षपुर निवासी हिमांशु त्रिपाठी पुत्र रामनरेश त्रिपाठी ने लालगंज कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीते पन्द्रह जून को सुबह नौ बजे उसका भाई बाइक से अपनी पत्नी को लेकर किसी काम से लालगंज आ रहा था। रास्ते में उदियापुर के पास अज्ञात वैगनार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ लापरवाही व तीव्रता पूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री का जनपद में आज होगा आगमन

कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 26 जून 2022 को पूर्वान्ह 10:40 बजे माँ शीतला देवी अतिथिगृह सयारा पहुँचेंगे तत्पश्चात वे ई-रिक्शा का वितरण तथा विभिन्न लाभार्थी परक कार्यक्रमों के चेक टूलकिट्स एवं प्रमाण पत्र वितरित करने के पश्चात पार्टी कार्यकताओं एवं जनसमुदाय के साथ भेंटवार्ता करेंगे उप मुख्यमंत्री अपरान्ह 4:40 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

एक दिवसीय विशेष उद्यम रजिस्ट्रेशन कैम्प का आयोजन

कौशाम्बी। उपायुक्त उद्योग एस सिद्दीकी ने जनपद के सभी औद्योगिक संगठनों उद्यमियों को सूचित किया है कि 27 जून 2022 को जिला उद्योग एवं प्रोत्साहन एवं उद्यमिता केन्द्र कौशाम्बी में एक दिवसीय विशेष उद्यम रजिस्ट्रेशन कैम्प का आयोजन किया जायेगा उन्होंने इच्छुक उद्यमियों से अपनी-अपनी इकाइयों का उद्यम पंजीकरण कराने का आग्रह किया है।

54 हजार 940 लाभार्थियों को आवासीय अभिलेख (घरौनी) का वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रमाण पत्र के साथ खड़े लाभार्थी

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में स्वामित्व योजना के अन्तर्गत तैयार किये गये ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) का डिजिटल वितरण किया गया जिसका सजीव प्रसारण उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा उपस्थित लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना।

सांसद विनोद सोनकर एवं जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा तहसील मंझनपुर के ग्राम-गोबर सहाई अम्बारा पश्चिम टेनशाह आलमाबाद उमरा तथा पवइया के कुल 100 लाभार्थियों को आवासीय अभिलेख (घरौनी) का वितरण किया गया। जनपद में अभी तक 428 ग्रामों के लगभग एक लाख लाभार्थियों को आवासीय अभिलेख (घरौनी) वितरण करने की कार्यवाही की जा रही है, जिसमें से 54 हजार 940 लाभार्थियों को आवासीय अभिलेख (घरौनी) का वितरण पूर्व में ही किया जा चुका है सांसद ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के कल्पना के अनुरूप एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वामित्व योजना शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि घरौनी के अभाव में गांवो में आबादी क्षेत्र से सम्बन्धित विवाद होता रहता है घरौनी से एक साथ कई कार्य होंगे-आबादी क्षेत्र से सम्बन्धित विवाद समाप्त होंगे, लोगों को मालिकाना हक मिलेगा, बैंक से लोन भी आसानी से मिल जायेंगा तथा गांव में भाईचारा को बढ़ावा के साथ ही प्रेम व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनेंगा। उन्होंने कहा कि हम सब लोग भाग्यशाली हैं कि देश में आज एक प्रभावशाली नेतृत्व है जिसके कारण घरौनी सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शेष रह गये लोगों को भी आवासीय अभिलेख (घरौनी) जल्द ही मिल जायेंगी।

कार्यक्रम में ग्राम गोबासहाई के निवासी दत्तनारायण सिंह उदितनारायण सिंह सत्यनारायण सिंह अखिलेश सिंह गुलाब सिंह सोमचन्द्र गुप्ता बृजरानी देवी प्रमोद कुमार सिंह बरमदीन सिंह आशाराम सन्तलाल सिंह शिवरघुवर रामबाबू धर्मपाल बृजेश सिंह सजन अनुमान चन्दन सिंह रोशनलाल कंधई शंकर जगदीश एवं राजनारायण हैं इसी प्रकार ग्राम-अम्बावां पश्चिम के निवासी-नजीर अहमद नाजिमी रईस नफीस रामदयाल रोहाना बीबी धर्मराज दुर्गा प्रसाद आकाश कुमार प्रजापति अमरनाथ पूनीलाल बैजनाथ जय सिंह मानसिंह सन्तोष कुमार दिनेश देवनाथ बब्लू भोला रामबाबू प्रजापति भोला रामलाल शेर सिंह एवं फूलचन्द्र हैं ग्राम-टेनशाह अलामाबाद के निवासी-ननका भइयालाल राजूल सिंह राम आसरे विन्देश्वरी लाल बलजीत सिंह संदीप कुमार गिरधारी लाल सुरज देइया राम लखन कल्लूराम विन्देश्वरी, मो0 फिरोज रामभरोस गुड़िया देवी शिवराम राजा सिंह एवं शहीद अहमद हैं ग्राम-उमरा के निवासी-राम प्रताप सिंह मोहनलाल मुग्गनलाल भोला कमल सिंह चन्द्रसेन शिवधारी करवरिया सुमन देवी मक्खनलाल बृजलाल भूल्लू हरि मोहन धर्मराज सिंह गीता देवी अशोक कुमार करन रामनरेश भैयालाल तथा बाबूलाल एवं ग्राम-पवइया के निवासी-लालता प्रसाद छोटेलाल वासुदेव राधेश्याम धरमपाल इंदल श्रीनाथ सुखलाल जगरूप शिवमोहन लालचन्द्र सुरेश मुन्नी लाल घसीट व प्रेमचन्द्र हैं इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/ रा0) जयचन्द्र पाण्डेय अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ0 विश्राम उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मंझनपुर विनय कुमार गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

डीएम एवं एसपी ने थाना करारी में सुनी जनसमस्याएं

थाना दिवस में फरियाद सुनते डीएम एसपी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना करारी में जनसमस्याओं को सुना थाना करारी में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया एवं शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर टीम को मौके पर जाकर शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिये।

सीओ चायल के नेतृत्व में आयोजित हुआ थाना समाधान दिवस

निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा के अंदर कर दिया जाए एसओ कोखराज गणेश प्रसाद सिंह

कोखराज कौशाम्बी। चायल सीओ अवधेश विश्वकर्मा के नेतृत्व में कोखराज थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया है थाना दिवस में पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीओ चायल के सामने प्रस्तुत किया जिस पर राजस्व कर्मचारियों और थानेदार कोखराज गणेश प्रसाद सिंह ने फरियादियों की शिकायतों को सुना और उसके निस्तारण का प्रयास किया थाने में 18 मामले आये जिनमें दो मामलों को मौके पर निस्तारण कराया गया और जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर नहीं हुआ है उनके निस्तारण के लिए अधीनस्थों को निर्देशित किया गया है थाना समाधान दिवस के अवसर पर थानेदार गणेश प्रसाद सिंह ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा के अंदर कर दिया जाए उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस की शिकायतों में किसी भी कीमत पर लापरवाही और पक्षपात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समाधान दिवस के अवसर पर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को सीओ चायल व एसओ कोखराज गणेश प्रसाद सिंह ने सुनकर निस्तारण का निर्देश दिया समाधान दिवस के अवसर पर चौकी प्रभारी धीरेंद्र कुमार सिंह मूरतगंज,चौकी प्रभारी मनोज कुमार यादव सहजाद पुर,चौकी प्रभारी विनोद कुमार मौर्य सिंघिया कानून गो अनिल कुमार अर्ग्रहरी लेखपाल रियाज अहमद ,अमन सिंह ,शंकर दयाल सिंह,देवेन्द्र सिंह दिलीप सिंह मान सिंह अशोक कुमार श्याम नारायण मिश्रा ,सुरेश कुमार मिश्रा, कुलदीप श्रीवास्तव, रितेंद्र सिंह,दिलीप कुमार,शिव बाबू साधना सिंह ,रितेंद्र सिंह लोक नाथ,श्याम नारायण मिश्रा, पवन कुमार राय ,गजेंद्र कुमार सिंह,देवेंद्र सिंह,मान सिंह ,विनोद कुमार,सुमित कुमार, राजस्व कर्मी पुलिस जवान और इलाके के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ

मंझनपुर पुलिस ने वांछित को किया गिरफ्तार

कौशांबी। थाना मंझनपुर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त अरविंद कुमार पुत्र सुरेश चंद्र निवासी सेलराहा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया है वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद थाना पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात वांछित को न्यायालय में पेश कर दिया है।

गांजा के साथ गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना मोहब्बतपुर पइन्सा पुलिस द्वारा 01 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ मैकू लाल पुत्र अशफीर्लाल निवासी कैमा थाना मोहब्बतपुर पैसा को गिरफ्तार किया गया है आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद के बाद पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

पुलिस ने गांजा विक्रेता को पकड़ा

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस द्वारा 01 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ विपिन कुमार पुत्र शारदा प्रसाद निवासी राजा तारा को गिरफ्तार किया है गांजा के साथ आरोपी के पकड़े जाने के बाद थाना पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

न्यूज झरोखा

डंपर पलटने से चालक की मौत खलासी लहूलुहान

कौशाम्बी। राजापुर थाना क्षेत्र में डंपर पलटने से जिले के एक डंफर चालक की मौत हो गई है और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया है जैसे ही चालक और खलासी के घर हादसे की जानकारी पहुंची है परिवार में कोहराम मच गया है राजापुर पुलिस ने चालक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और घायल खलासी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटनाक्रम के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना अंतर्गत पूरब शरीरा गांव निवासी राजेंद्र उम्र 40 पुत्र माधव कई सालों से करारी थाना क्षेत्र के आरका महावीर पुर गांव में अपनी बहन के घर रह रहा था राजेंद्र डंपर चालक है और वह डंपर में बालू लादकर चित्रकूट जनपद से कौशांबी के लिए चला जैसे ही वह राजापुर थाना अंतर्गत बरुआ मोड़ के पास पहुंचा तभी डंपर चला रहे राजेन्द्र को नींद आ जाने के कारण अनियंत्रित डंपर पलट गया जिससे राजेंद्र की मौके पर मौत हो गई जैसे ही इसकी सूचना परिजनों को लगी तो मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया साथ में रहे राजेंद्र का भतीजा राम सिंह उम्र 30 निवासी पूरब शरीरा घायल हो गया मौके पर पहुंची राजापुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही घायल को राजापुर पीएचसी में भर्ती कराया है जहां घायल राम सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है।

भाभी प्रधान देवर लूट रहा सरकारी खजाना

निलंबित लेखपाल ने सरकारी तालाब से लाखों की मिट्टी खोदकर बेचा

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के कमालपुर गांव में ग्राम प्रधान रामरति का देवर कमलेश कुमार राजस्व विभाग में लेखपाल है जो अपनी करनी के चलते इन दिनों निलंबित चल रहा है लेखपाल के पद से निलंबित होने के चलते वह भाभी प्रधान का वह पूरा कार्य संभाल रहा है और जेसीबी मशीन लगाकर सरकारी तालाबों से मिट्टी खुदाई कर उसे बेच रहा है बताया जाता है कि लाखों रुपए की मिट्टी निलंबित लेखपाल ने बेच ली है लेखपाल के कारनामे पर उनकी प्रधान भाभी ने भी चुप्पी साध ली है गांव में विकास योजनाओं के लिए आने वाली सरकारी रकम में देवर ने लूट मचा रखी है विकास योजनाओं में जमकर धांधली हो रही है मामले को लेकर गांव के राजू पुत्र बचान बाबू ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर देवर भाभी की सांठगांठ के कारनामे को उजागर करते हुए दोनों पर कार्यवाही कर सरकारी संपत्ति और सरकारी खजाने को बचाने की गुहार लगाई है।

चार निरीक्षक व नौ उपनिरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में एसपी ने किया बदलाव

कौशाम्बी। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने जिले में बड़े पैमाने पर फेरबदल किए हैं चार निरीक्षक और 9 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर उन्होंने नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के मुताबिक निरीक्षक रमेश पटेल को पुलिस लाइंस से क्राइम ब्रांच अलोक कुमार को चायल से अतिरिक्त निरीक्षक मंझनपुर निरीक्षक रणंजय सिंह को सैनी से कोतवाली पिपरी, आशुतोष तिवारी को पुलिस लाइंस से अतिरिक्त निरीक्षक सैनी बनाया गया है। इसी तरह उपनिरीक्षक सियाकांत चौरसिया को पुलिस लाइंस से चौकी प्रभारी सिराथू, राकेश राय को सिराथू से चौकी प्रभारी हर्रायपुर, राकेश कुमार महिला सम्मान कोष से चौकी प्रभारी चायल, सुमित आनंद को पुलिस लाइंस से थाना कोखराज, चंदन सिंह को मंझनपुर से चौकी प्रभारी सिविल लाइंस, परमानंद सिंह को कड़ाधाम से थाना कोखराज, विद्याराम यादव को पुलिस लाइंस से थाना कड़ाधाम, दीपक श्रीवास्तव को पुलिस लाइंस से महिला सम्मान कोष व एसआई परशुराम सिंह को पुलिस लाइंस से महिला हेल्प डेस्क भेजने के निर्देश जारी किया है।

3 दिन से पकड़े युवक को पुलिस ने भैंस चोरी में भेजा जेल

कौशाम्बी। 3 दिन पूर्व भैंस चोरी के आरोप में आरोपी को पुलिस पकड़ कर थाने लाई थी उससे छोड़ने की एवज में सौदेबाजी हो रही थी करारी थाने के दो चर्चित सिपाहियों के नाम बताते हुए आरोपी की बहन ने एसपी से शिकायत की थी मामले में आरोपी की बहन ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर करारी थाना पुलिस के कारनामे को उजागर किया जैसे ही करारी थाना पुलिस के कारनामे उजागर हुए अपने को साफ सुथरा बनाने के उद्देश्य पुलिस ने युवक को भैंस चोरी के आरोप में जेल भेज दिया है 3 दिन बाद पुलिस के पास भैस कहां से आई यह जांच का विषय है पकड़े गए युवक को छोड़ने की एवज में मोटी रकम मांगने वाले आरोपी सिपाहियों के कारनामे की जांच भी नहीं कराई गई है जिससे वसूली में लिप्त सिपाहियों का मनोबल बढ़ेगा थाना करारी पुलिस द्वारा आरिफ उर्फ पंडा पुत्र सुन्नु निवासी नया पुरवा रहीमपुर मोलानी थाना करारी को चोरी की एक भैंस के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया गया है आखिर 3 दिन पूर्व गिरफ्तार युवक के पास पुलिस ने भैस बरामद की थी तो वह भैंस कहां थी और 3 दिनों तक युवक को पुलिस ने जेल क्यों नहीं भेजा थाना पुलिस की कहानी के मुताबिक चोरी की भैंस के साथ आरोपी के पकड़े जाने पर थाना पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

डेढ़ सौ विद्युत बकायेदारों की बत्ती गुल....

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा विद्युत उप केंद्र अंतर्गत अवर अभियंता चंद्रिका मौर्य ने शुक्रवार के दिन मनकापुर अजरौली निखोदा आढौली डकसरीरा सहित 8 गांव में अवैध रूप से लगाए कटिया वाले और बकायेदारों का कनेक्शन काट दिया है जहां अवर अभियंता के इस कार्रवाई से बकायेदारों और अवैध रूप से कटिया मारो में हड़कंप मचा रहा इस मौके पर विद्युत उपकेंद्र के अनीस आनंद मिश्रा हर्ष पांडेय बृजेश प्रवीण अर्कवंशी बृजेश लालचंद ज्ञानचंद आदि विद्युत कर्मचारी मौजूद रहे।

5 फिट के गमछे से बंधी मिली युवक की लाश, हत्या की जताई आशंका

अखंड भारत संदेश

पंखे से बंधी थी लाश टेड़ा नहीं हुआ पंखा का पर वा रॉड

युवक की मौत के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के बेनी राम कटरा चौराहे पर खुले घर के भीतर एक युवक की 5 फीट के गमछे से पंखे में बंधी लाश मिली है शनिवार की सुबह काफी देर तक अनुराग सिंह जब बाहर नहीं निकले तो पड़ोसी लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो पूरे घर का दरवाजा खुला हुआ था पड़ोसियों ने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पत्नी से लंबे समय से युवक का विवाद चल रहा था बताया जाता है कि शुक्रवार को भी पत्नी से विवाद हुआ है जिस समय लाश मिली है उस वक्त पत्नी और बच्चे घर पर मौजूद नहीं थे आशंका जताई जा रही है कि घर में घुसे लोगों ने युवक की हत्या की है पंखे में गमछे से लाश को टांग दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक अनुराग सिंह उम्र 32 वर्ष पुत्र स्वर्गीय सूबेदार सिंह निवासी बेनीराम कटरा चौराहे पर रहते हैं पड़ोस के गांव में उनकी ससुराल है शुक्रवार की शाम वह घर पर अकेले थे उनकी पत्नी और बच्चे घर पर मौजूद नहीं थे सुबह जब अनुराग सिंह बाहर नहीं निकले तो पड़ोसी उनके घर के भीतर देखने गए तो देखा कि दरवाजा खुला है और गमछे से बंधी लाश पंखे से लटक रही है आसपास के लोगों ने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मौत की जानकारी मिलते ही पत्नी और बच्चे भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं मृतक की पत्नी का कहना है कि वह असानत पुर गांव विवाह कार्यक्रम में दावत खाने गई थी आसपास के लोगों ने आशंका जताई है कि अनुराग की हत्या कर शव पंखे के सहारे गमछे में बांधकर लटकाया गया है पुलिस का कहना है कि लाश पोस्टमार्टम को भेज दी गई है पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण से पर्दा उठेगा।

खड़े ट्रक में टकराई ट्रक चालक खलासी लहूलुहान

राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्रेकर बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के रोग लगाए जाने के बाद भी बना ब्रेकर

इमामगंज कौशांबी। कोखराज थाना अंतर्गत हररायपुर चौकी के समीप इमामगंज चौराहे पर कानपुर की ओर जा रही ट्रक बीच में पड़े ब्रेकर पर जैसे ही रुकी पीछे से आ रही तेज रफ्तार दूसरी ट्रक ने आगे की ट्रक में टक्कर मार दिया जिससे ट्रक के चिथड़े उड़ गए। हादसे में ट्रक चालक और खलासी को गंभीर चोटे आई है लेकिन पुलिस घायलों का नाम पता नहीं बता सकी है बताया जाता है कि घायल ट्रक चालक और खलासी को इलाज के लिए प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्रेकर बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने भी रोक लगाई है लेकिन उसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोक निर्माण विभाग ने ब्रेकर बना दिया है इमामगंज चौराहे पर बने ब्रेकर में आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं जिसमें जनधन की हानि होती है बीते कुछ समय पहले में 2 महिलाओं के हाथ भी टूट चुके हैं।

थाना समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनते कोतवाल

थाना समाधान दिवस में पहुंचे 22 फरियादी

2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण संपूर्ण शिकायतों के निस्तारण करने का कोतवाल ने दिया निर्देश

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली में आयोजित थाना समाधान दिवस में 22 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई हैं जिनमें 2 शिकायतों का निस्तारण मंझनपुर कोतवाल विनोद कुमार सिंह ने मौके पर कर दिया है शेष शिकायतों को उप निरीक्षक और राजस्व कर्मियों को सौंपते हुए उन्होंने देर शाम तक शिकायतों के निस्तारण का निर्देश दिया है। थाना समाधान दिवस का आयोजन पूरे जिले के थानों में आयोजित किया गया है इसी क्रम में मंझनपुर कोतवाली में थाना समाधान दिवस का आयोजन कोतवाल विनोद सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ जहाँ राजस्व की टीम भी मौजूद रही समाधान दिवस में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुना और दो समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया इस मौके पर जमीन से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित कर गुणवत्तापूर्ण समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया है।

आपातकाल के लिए देश कभी माफ नहीं करेगा : अनीता सचान

काला दिवस पर अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर लोकतंत्र सेनानियों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम उपस्थित भाजपा नेता

कौशाम्बी। आपातकाल को लेकर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान एवं काला दिवस पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन जिला पंचायत के रत्नावली सभागार में भाजपा द्वारा आयोजित किया गया समारोह में लोकतंत्र सेनानियों को अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह को काला दिवस के रूप में मनाया गया जनपद के लोकतंत्र सेनानियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदस्य राज्य महिला आयोग अनीता सचान ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहां की भारतीय लोकतंत्र एवं राजनीति के सबसे काले अध्याय आपातकाल के लिए देश कभी कांग्रेस को माफ नहीं कर पाएगा उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस ने सत्ता में रातों-रात हर भारती के संवैधानिक अधिकारों को छीन आपातकाल थोपा दिया था और निर्दयता में विदेशी शासन को भी पीछे छोड़ दिया इस तानाशाही मानसिकता के विरुद्ध लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के महायज्ञ में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी लोकतंत्र सेनानियों को देशभक्त के रूप में नमन करते हुए उन्होंने कहा कि आपातकाल की कठोर यात्राओं को सहन कर लोकतंत्र बहाली के लिए किया गया संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा कार्यक्रम में सांसद विनोद कुमार सोनकर ने लोकतंत्र सेनानी पूर्व जिला अध्यक्ष यशपाल केसरी जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी बच्चा रिंकू मौर्या ब्लाक प्रमुख जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर पूर्व विधायक सिराथू शीतला पटेल पूर्व विधायक लाल बहादुर मंझनपुर पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता सत्यम केसरवानी गोलू सिंह पटेल महानगर के पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य विभाग एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

श्रम शक्ति का निर्माण

हाल ही में निर्माण श्रमिकों के कौशल प्रशिक्षण के लिये 'निपुण' नामक एक अभिनव परियोजना यानी निर्माण श्रमिकों के कौशल को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय पहल शुरू की गई। जिसका उद्देश्य निपुण निर्माण उद्योग के लिये भविष्य की श्रम शक्ति का निर्माण करना है जो देश में नवाचार और बड़े पैमाने पर विकास को बढ़ावा देगा। नर्माण क्षेत्र में भारत 2022 तक सबसे बड़ा नियोक्ता बनने की राह पर है, और इसके लिये अगले दस वर्षों में 45 मिलियन से अधिक योग्य श्रमिकों की आवश्यकता होगी। बता दें कि परियोजना का मूल उद्देश्य 1 लाख से अधिक निर्माण श्रमिकों को नए कौशल और अपस्किलिंग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित करना है। परियोजना निपुण आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की एक पहल है।यह परियोजना दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के प्रमुख कार्यक्रम के तहत संचालित हो रही है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के परिवर्तनकारी प्रभाव ने शहरी निवासियों, विशेषकर युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करके शहरी गरीब परिवारों की सुभेद्यता को कम कर दिया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत नोडल और कार्यान्वयन एजेंसी है। जो प्रशिक्षण, निगरानी और उम्मीदवार ट्रैकिंग के समग्र निष्पादन के लिये जिम्मेदार होगा।यह केवल मान्यता प्राप्त और संबद्ध प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रदान किया जाएगा।यह भी परिकल्पना की गई है कि एनएसडीसी लगभग 12,000 लोगों को सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी देशों जैसे विदेशी देशों में रखेगा। निपुण परियोजना निर्माण श्रमिकों को बेहतर नौकरी के अवसर तलाशने, उनकी मजदूरी बढ़ाने और यहाँ तक कि विदेशी प्लेसमेंट का में सक्षम बनाएगी। यही नहीं बल्कि शहरी श्रमिकों को स्व-रोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसरों तक पहुँच प्रदान करके इसे प्रोत्साहित और समर्थित किया गया है। यह पहल निर्माण श्रमिकों को अधिक कुशल बनाने में सक्षम बनाएगी। निर्माण कार्यकर्ता अपनी क्षमताओं को उन्नत करके और अपने कौशल में विविधता लाकर निर्माण उद्योग से जुड़े भविष्य के रुझानों को ध्यान में रखते हुए उन्नत कौशल अपना सकते हैं।मंत्रालय ने प्रौद्योगिकी चुनौतियों का भी सामना किया, जिसके कारण रिकॉर्ड समय में छह लाइट हाउस परियोजनाओं का कार्यान्वयन हुआ, जिसमें स्थायी हरित भवनों के निर्माण के लिये प्रौद्योगिकी और स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया था। मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिये कुशल और प्रभावी संस्थागत मंच तैयार करना है ताकि वे स्थायी आजीविका और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच के माध्यम से घरेलू आय में वृद्धि कर सकें। वित्तीय समावेशन के वैकल्पिक चैनलों का संचालन करने, ग्रामीण उत्पादों के आस-पास मूल्य श्रृंखला निर्मित करने, आजीविका सवर्द्धन और वित्त तक पहुँच हेतु अभिनव मॉडल पेश करने, डिजिटल वित्त और आजीविका हस्तक्षेप पर पहल करने हेतु अभिनव परियोजनाएँ शुरू की जानी है। पंचायती राज संस्थानों और समुदाय आधारित संगठनों के बीच परामर्श के लिये पारस्परिक रूप से लाभप्रद कार्य संबंध और औपचारिक मंच प्रदान करता है।हमें विभिन्न क्षेत्रों में अभिसरण की सुविधा के लिये गतिविधि मानचित्र भी विकसित करने की जरूरत है ताकि सभी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों को और निर्माण श्रमिकों के कौशल विकास को बढ़ावा देने की जरुरत है।

अग्निपथ योजना का विरोध- साजिश तो नहीं ?

मृत्युंजय दीक्षित

सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा होने के बाद अचानक से बिहार सहित कई राज्यों में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए । युवाओं की इस नाराजगी को ढाल बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोधी भी आन्दोलन में कूद पड़े और मीडिया, सोशल मीडिया पर जहर बोने के साथ साथ सड़कों पर भी आ गए । यह वही लोग हैं जो राफेल डील के खिलाफ भी हल्ला मचा रहे थे। प्रारंभिक दौर में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद युवाओं व जनमानस में व्याप्त हो रहे भ्रम को दूर करने के लिए तीनों सेनाओं की ओर से साझी प्रेस वार्ता के माध्यम से सभी संभावित प्रश्नों का उत्तर देकर भ्रांतियों का निवारण किया गया । स्पष्ट भी कर दिया गया कि अब यह योजना वापस नहीं होगी और भारती का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया । जिसके परिणामस्वरुप अग्निपथ के विरोधियों द्वारा भारत बंद का जो आहवान किया गया था वह पूरी तरह से प्रभावहीन साबित हुआ लेकिन अग्निपथ के खिलाफ वह अभी भी काम पर लगे हुए हैं और जनहित याचिकाओं के माध्यम से इसे रोकना चाहते है लेकिन अब सरकार भी सतर्क हो गयी है । सेना प्रमुखों के बाद देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अग्निपथ योजना को पूरी तरह लागू करवाने के लिए कमर कस ली है और यह भी बता दिया गया है कि अब यह योजना वापस नहीं होगी । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि अगर कल की तैयारी करनी है तो हमें बदलना होगा। उन्होंने कहा कि योजना के विरोध में किसी भी प्रकार का हिंसक प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। भविष्य में हम ऐसे परिदृश्य की ओर बढ़ रहे हैं जहां अदृष्य दुश्मनों के खिलाफ संपर्क रहित युद्ध होगा और देश को एक युवा चुस्त और सुप्रशिक्षित सेना की जरूरत है। पूरा युद्ध परिदृश्य एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। प्रौद्योगिकी तेज गति से आगे बढ़ रही है। अग्निपथ योजना एक ऐसी योजना है जिसकी चर्चा 1989 से हो रही है। कारगिल युद्ध के समय भी इसकी आवश्यकता महसूस की गई थी। सेना द्वारा अग्निपथ योजना के विषय में दी गई विश्वसनीय सूचनाओं के कारण इस बारे में फैली अफवाह दूर हुई हैं। सेना ने कहा है कि सेनाओं में भर्ती की प्रक्रिया पूर्ववत रहेगी और पारंपरिक रेजीमेंट व्यवस्था भी जारी रहेगी। 75 फीसदी जवानों को 4 साल की सेवा का अवसर देने वाली योजना सेना के तीनों अंगों और रक्षा मंत्रालय के साथ –साथ सरकार के विभिन्न अंगों के बीच लंबे समय के विचार विमर्श से सामने आई है। अग्निपथ योजना भारत के युवा वर्ग के लिए सर्वोत्तम है। इस योजना से देश के जवानों का प्रोफाइल युवा हो जायेगा।

अग्निपथ योजना के विरोध में बड़े षड्यंत्र की आशंका

डॉ उमेश प्रताप वत्स

भारत की तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने अपनी बहुत ही विलक्षण टीम के साथ दो वर्ष तक अथक, गहन अध्ययन के पश्चात एक ऐसी योजना तैयार की जिसके लागू होने पर सेना की अधिकतर समस्या का समाधान हो सके। इस योजना को अग्निपथ नाम दिया गया। जल,थल, वायु सेनाध्यक्षों ने इस योजना की अनुशंसा करते हुए रक्षामंत्री, गृहमंत्री एवं प्रधानमंत्री के पास स्वीकृति हेतु भेजा। इस योजना के तहत सेना के तीनों अंगों में हर साल दो बार भर्तियां निकाली जाएंगी। इस साल सरकार ने 46 हजार अग्निवीरों की भर्ती का लक्ष्य रखा है। अगले वर्ष से लगभग 50 हजार भर्तियां हर साल होंगी। अभी तीनों सेनाओं में कमिशन रैंक के अतिरिक्त एनसीओ जैसे हवलदार, नायक और लांस नायक जैसे एक लाख 25 हजार पद खाली हैं। हालांकि इनमें कुछ पद जेसीओ के भी हैं। इसके अतिरिक्त कमिशन अधिकारियों के लगभग 10 हजार पद सेना के तीनों अंगों में खाली हैं। जिन्हें सरकार ने अगले कुछ वर्षों में भरने का लक्ष्य रखा है। इस समय भारत के पास दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। चीन के पास 20 लाख सैनिकों की फौज है, भारत के पास साढ़े 14 लाख सैनिकों की फौज है। अमेरिका के पास 13 लाख 90 हजार सैनिक हैं और रूस के पास साढ़े आठ लाख सैनिकों की फौज है। उल्लेखनीय है कि 24 जून से 46000 सैनिकों के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती प्रारंभ हो जायेगी। सरकार ने इस योजना को युवाओं एवं देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया किंतु कहीं न कहीं सरकार के प्रतिनिधि और सेना के उच्चाधिकारी युवाओं को यह समझाने में पूर्णतया सफल नहीं रहे कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है तथा यह योजना युवाओं के लिए कैसे लाभदायक सिद्ध होगी। तभी देश के कई भागों में अग्निपथ योजना के विरोध में युवा हिंसा व आगजनी पर उतर आये हैं। युवाओं के प्रारम्भिक रोष व क्रोध को देशविरोधी गुटों ने हाथों-हाथ लेते हुए इस नासमझ भीड़ को दिशा देना शुरू कर दिया और यह विरोध अग्निपथ योजना के स्थान पर मोदी के और उनके विधायक, सासंदों के विरुद्ध हो गया। दंगाइयों की भीड़ ने रेलगाड़ी, बसें, सरकारी भवन, थानों के साथ-साथ मंत्रियों के घरों पर भी हमला कर दिया । यह बहुत ही आश्चर्यजनक है कि नौकरी की तलाश में युवा बेरोजगारों के हाथों में पत्थर, डंडों के साथ राइफल, रिवाल्वर कहां से आ गये?

कौन है जो इस भीड़ को उग्र के साथ ही हिंसक बना रहा है? कौन इस भीड़ को नियंत्रित कर निर्देश दे रहा है? कौन पर्दे के पीछे से इन युवाओं के कंधे पर बंदूक रख फायर कर अपना राजनैतिक उल्लू सीधा कर रहा है? कैसे एकाएक सभी पार्टियों के तथाकथित नेता टीवी डिबेट में युवाओं के हमदर्द बनकर सेना की इस चिरप्रतीक्षित योजना को देश को बर्बाद करने वाली योजना सिद्ध करने पर तुले हुए हैं। देश की जनता के साथ-साथ विशेषरूप से हिंसक हो चुके इन युवाओं को यह सारा खेल समझना होगा। 2014 से सत्ता परिवर्तन के साथ जैसे ही गुजरात के यशस्वी मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित हो चुके नरेन्द्र मोदी ने देश में प्रधानमंत्री की कमान संभाली, तभी से देश विरोधी ताकतों में हड़कंप मच गया। देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त गुटों में असुरक्षित होने का भय पसर गया। इंडिया टीवी के कार्यक्रम जनता की अदालत में तो यासीन मलिक ने कहा भी था कि देश में जो सरकार सत्ता में है, इंशाअल्लाह आगे की डगर बहुत कठिन है। इसी भय के कारण देश को सीमाओं पर, आर्थिक स्तर पर एवं धार्मिक दंगे-फसाद के माध्यम से आंतरिक स्तर पर जो विदेशी षड्यंत्रों के अन्तर्गत असंख्य गुट कमजोर करने में लगे हुए थे, वे सब आपसी मतभेद भूलाकर एक होते चले गए। उनका मानना था कि जब तक मोदी सरकार है, सब षड्यंत्र फेल है अतः हर गतिविधि का अंतिम लक्ष्य मोदी विरोध होना चाहिए। अर्बन नक्सलियों के बड़े नेताओं ने इन सबका नेतृत्व करने का बीड़ा उठाया। वे योजना बनाते और सभी देशविरोधी गुट योजनाओं को अंजाम देते। नोटबंदी और जीएसटी से नाराज लोग इन गुटों के मोहरे बने फिर सीएए और एनआरसी लागू करने के दौरान इन गुटों को देश में अराजकता फैलाने का अवसर मिल गया। मोहरा बना मुस्लिम समाज, जो इतना उग्र हो गया कि अर्ध सैनिक बलों को मोर्चा संभालना पड़ा। कोरोना काल में भी इन गुटों ने पूरे देश में अफरा-तफरी मचाने का बहुत प्रयास किया किंतु सरकार की सजगता के कारण इन्हें मायूसी ही हाथ लगी। फिर इनके हाथ बड़ा अवसर आया किसान आंदोलन के रूप में। इस बार मेहरा बना सिख समाज व हरियाणा - यूपी का जाट समाज। पूरी दुनिया ने देखा कि किस तरह देश की अस्मिता लाल किले पर चढ़कर नंगा नाच खेला गया। सुरक्षाकर्मियों को हिंसा का शिकार बनाया गया। ये गुट भली-भांति जानते थे कि सरकार किसानों पर एक्शन लेने का जोखिम नहीं उठायेगी। इस आंदोलन में खालिस्तान का प्रबंधन खुलकर सामने आया। सरकार को देश हित में किसान के भविष्य वाले तीनों बिल वापिस लेने पड़े। किसान आंदोलन के बाद इन अर्बन नक्सलियों को बड़े दिनों से कोई बड़ा मुद्दा हाथ नहीं लग रहा था किंतु ज्ञानव्यापी डिबेट के चलते हजरत मोहम्मद के बारे में नुपुर शर्मा द्वारा दिये गये ब्यान से इन्हें पुनः ऊर्जा मिली। सरकार जैसे-कैसे इस मुद्दे को संभालने का प्रयास ही कर रही थी कि आ बैल मुझे मार कहावत को साकार करते हुए अग्निपथ योजना के अन्तर्गत चार वर्ष के लिए हजारों नौकरियां देने की घोषणा कर युवा बेरोजगारों में भूचाल ला दिया। जिसे इन नक्सली गुटों ने मोहरा बनाकर जलजला बना दिया। कही न कही सरकार की नासमझी के कारण ही इन गुटों को बैठे-बैठाएं अराजकता फैलाने का सुनहरा अवसर मिल गया। सरकार ने 46000 अग्निवीरों की चार वर्ष के लिए भर्ती को जिस तरह अपनी उपलब्धि दिखाकर प्रस्तुत किया और चार वर्ष के बाद रिटायर्मेंट के बारे में बताया, यह किसी भी युवा के गले नहीं उतरा। सरकार को इस प्रकार प्रस्तुत करना चाहिए था कि, "हम देश के युवाओं को सेना में इंटरशिप की तरह निःशुल्क चार वर्ष की ट्रेनिंग करवायेंगे। फिर 11500 सैनिकों के लिए भर्ती निकाली जायेगी जिसमें ट्रेनिंग प्राप्त युवा ही आवेदन कर पायेंगे। रिटायर्मेंट की तो बात ही नहीं करनी चाहिए थी। इस प्रकार प्रस्तुतिकरण के बाद एक भी युवा सड़क पर नहीं निकलता " किसान आंदोलन के बाद यह दूसरी बार जल्दबाजी में लिया गया निर्णय सरकार के गले की फांस बनता जा रहा है। जबकि यह योजना बहुत ही श्रेष्ठ, सेना व देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है किंतु लॉन्च करने का ढंग बहुत ही दयनीय रहा है। देश भर में सेना की इस योजना के लेकर जिस तरह हिंसक विरोध हो रहा है। लाखों की भीड़ तोड़फोड़, पत्थरबाजी, आगजनी व फायरिंग कर रही है, लगता है कि इन सबकों सेना द्वारा फुलटाइम के लिए नियुक्ति पत्र दे दिया गया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलकर चार वर्ष का पार्ट टाइम नियुक्ति पत्र थमा दिया है। जिस कारण ये सब देश की संपत्ति को अग्नि की भेंट चढ़ाने को विवश हुए हैं। ये क्यों नहीं समझते कि जिस प्रकार अन्य विभागों में कुछ स्थाई भर्ती निकाली जाती है और कुछ रिक्ति पूर्ती के लिए अस्थाई, जिन्हें कभी भी सेवामुक्त किया जा सकता है। यहां भी सेना को 11500 सैनिक स्थाई रूप से नियुक्त करने हैं और 34500 अस्थाई रूप से। सेना और सरकार भी इस योजना को स्पष्ट करने में एकदम असफल रहे हैं। अग्निपथ योजना के अन्तर्गत अग्निवीर के रूप में चार वर्ष की लिए 46000 सैनिकों की भर्ती की जा रही है के स्थान पर बताना चाहिए था कि हम देश के सभी नागरिकों को सैन्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए 17 वर्ष से 21 वर्ष के 46000 युवाओं को सेना की निःशुल्क ट्रेनिंग देने जा रहे हैं तथा साथ में सैन्य सुविधाओं के साथ सम्मान राशि भी प्रदान की जायेगी। जो भी इस ट्रेनिंग में रूचि रखते हैं वे निश्चित तिथि तक आवेदन करें। चार वर्ष की ट्रेनिंग के बाद 11500 पदों पर रैगुलर भर्ती की जायेगी। इस प्रकार की घोषणा से कोई भी युवा इसे नौकरी न मानकर अपरेंटिश, इंटरशिप की तरह ही ट्रेनिंग मानता। किंतु सेना के प्रवक्ता सिविल सोसायटी की नब्ज पहचानने में असमर्थ रहे और ना ही सरकार ठीक ढंग से इस विषय को स्पष्ट कर पायी जिसका परिणाम यह हुआ कि आज युवा लाल झंडे, दांती-हथोडे के चंगुल में एक बार फिर फंसकर रह गये हैं। युवाओं को समझना चाहिए कि अग्निवीर को वे नौकरी न मानकर इंटरशिप ट्रेनिंग ही माने और उसके बाद स्थायी नौकरी के लिए अन्यत्र आवेदन करें। पूरे विश्व में तीसरे विश्व-युद्ध की जबरदस्त आशंका बनी हुई है। रूस-युक्रेन युद्ध को चार महीने होने जा रहे हैं और ताइवान पर चीन भी गिद्ध दृष्टि जमाये बैठा है। ऐसे वातावरण में किसी भी देश की जनता विशेष रूप से युवा देश की सुरक्षा के लिए सेना को मजबूत करने का ही समर्थन करेंगे किंतु हमारे देश में इन अर्बन नक्सलियों ने इतना युवाओं में इतना जहर घोला हुआ है कि वे आगजनी के साथ-साथ सुरक्षाकर्मियों पर फायरिंग तक कर रहे हैं। इस योजना से सरकार हथियारों की खरीद पर ज्यादा पैसा खर्च कर पाएगी। अब तक सरकार को रक्षा बजट का आधे से ज्यादा हिस्सा सैनिकों को सैलरी और पेंशन देने पर खर्च करना पड़ रहा है। वर्ष 2021 में भारत का रक्षा बजट 4 लाख 85 हजार करोड़ रुपये था। जिसमें से एक लाख 34 हजार करोड़ रुपये सरकार ने वेतन पर खर्च किए। एक लाख 28 हजार करोड़ रुपये पूर्व सैनिकों को पेंशन देने पर खर्च किए। केवल एक लाख 31 हजार करोड़ रुपये नए हथियारों को खरीदने पर खर्च किए गए। रक्षा बजट का 54 प्रतिशत हिस्सा केवल वेतन और पेंशन पर खर्च किया गया। जिससे सरकार चाह कर भी सेना के आधुनिकीकरण पर ज्यादा जोर नहीं दे पाती। लेकिन इस योजना के बाद इस खर्च को कम किया जा सकेगा। हमारे देश में इस समय सरकार 32 लाख पूर्व सैनिकों को पेंशन देती है और पेंशन का ये खर्च, वन रैंक-वन पेंशन स्कीम लागू होने से ओर अधिक बढ़ गया है। इस योजना भारतीय सैनिकों की औसत उम्र कम हो जाएगी। जो वर्तमान में 32 वर्ष तक है जबकि अमेरिका के सैनिकों की औसतन उम्र 27 वर्ष और ब्रिटेन के सैनिकों की औसत उम्र 30 वर्ष है। हर वर्ष सेना के तीन अंगों में लगभग 50 हजार अग्निवीरों की भर्ती होगी। इस नए कदम से भारतीय सेना की औसत आयु 32 साल से घटकर 26 साल हो जाएगी। सेना किसी भी देश की सुरक्षा के लिए उसकी रीढ़ होती है। इसलिए सेना में देश के युवाओं को अवसर देने का अर्थ है सुदृढ़ सेना का गठन। युवाओं को भी समझना होगा कि इस अवसर को नौकरी न समझकर चार वर्ष की इंटरशिप ट्रेनिंग ही समझे तभी उनके मन में उपजी समस्याओं का समाधान होगा और देश जलने से बच सकेगा।

विरोध की अमर्यादित भाषा

–डॉ. श्रीनाथ सहाय

आप किसी भी सियासी पार्टी से ताल्लुक रखते हों, किसी भी दल का समर्थन करते हों, एक बात तो यकीनन मानते होंगे, कि राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है। मर्यादित राजनीति के बजाय बेहूदा और असंसदीय आरोपों-बयानों का दौर चल रहा है। राजनीति में असंसदीय भाषा और भावों का प्रयोग इतना आम हो गया है कि इस बात में अंतर करना काफी मुश्किल हो गया है कि क्या संसदीय है और क्या नहीं। इसे एक प्रकार से राजनीति का मानसिक दिवालियापन कहा जा सकता है। जिस प्रकार अपराधी छवि कि लोग निरंतर राजनीति में आ रहे हैं और विभिन्न सरकारों और राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण स्थान पा रहे हैं उसके बाद ऐसा होना कोई अप्रत्याशित नहीं है। संभ्रातवादी स्पष्टीकरण के रूप में इसे हमारी राजनीति के अधीनस्थीकरण का प्रतिफल कह सकते हैं और साथ ही इसका सीधा संबंध मुख्यधारा की राजनीति के क्षेत्रीयकरण से भी जोड़ा जा सकता है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में राजनीति पर नजर रखने वालों का यही मानना है कि पिछले एक दशक में राजनीति ने अंससदीय भाषा का चलन बढ़ा है। वर्तमान राजनीतिक माहौल में आए दिन नेताओं द्वारा अमर्यादित और स्तरहीन भाषा का प्रयोग किया जा रहा है जिसे हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आजकल नेतागण विकास की बातें करने के बजाय एक दूसरे पर कीचड़ उछालते हैं और इस क्रम में अमर्यादित भाषा का उपयोग ज्यादा करने में विश्वास रखते हैं। बीते दिनों कई वाकये ऐसे समाने आये हैं जो राजनीति की गिरती भाषा पर सोचने को विवश करते हैं। कई कांग्रेस नेताओं ने बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी को लेकर ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जो असंसदीय थे। लोकसभा के 545 सदस्यों में कांग्रेस के 53 सांसद ही हैं। पार्टी के हिस्से नेता प्रतिपक्ष का ओहदा भी नहीं आया। दरअसल भारत समग्रता में एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन लोकतंत्र के मायने गालियां देना ही नहीं होते। अमर्यादित भाषा और आचरण स्वीकार्य नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस के सत्याग्रही मंच से प्रधानमंत्री मोदी के लिए अभिशप्त बोल बोलना लोकतांत्रिक राजनीति नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने प्रधानमंत्री के लिए कामना की है कि वह हिटलर की मौत मरेंगे। मोदी को यह याद रखना चाहिए। वास्तव में कांग्रेस ने पहली बार प्रधानमंत्री मोदी को गाली नहीं दी है। यह बदजुबानी ही नहीं, बददुआ भी है। गाली देने का सिलसिला 2007 में शुरू हुआ था, जब मोदी के प्रधानमंत्री बनने की संभावनाएं दूर-दूर तक नहीं थीं। अलबत्ता वह गुजरात के मुख्यमंत्री जरूर थे। मई, 2014 में नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए। उससे पहले चुनाव प्रचार के दौरान और प्रधानमंत्री बनने के बावजूद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर उन्हें चायवाला कहकर संबोधित करते रहे। चलो, यह कुछ हद तक मर्यादित संबोधन था, क्योंकि मोदी ने बचपन में चाय बेची थी। मणिशंकर ने पाकिस्तान में जाकर भारत के प्रधानमंत्री की खुली निंदा की और सरकार गिराने में मदद की गुहार की। बेचारा, दिवालिया पाकिस्तान क्या कर सकता था? लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत, उन्हें दांत पीस-पीस कर कोसना और भद्दी, अश्लील, अमर्यादित गालियां देने का सिलसिला जारी रहा। सत्ता के आठ साल पूरे करने के बाद भी मोदी सरकार हिमालय की तरह अडिग, अचल और स्थिर है, बेशक प्रियंका गांधी कुछ भी आह्वान करती रहें। लेकिन कांग्रेस राजनीतिक तौर पर हाशिए की पार्टी बन गई है। सिर्फ राजस्थान, छत्तीसगढ़ में ही उसके दो मुख्यमंत्री हैं। महाराष्ट्र और झारखंड की सरकारों में कांग्रेस पिछलग्गू है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में एक और कांग्रेसी नेता ने प्रधानमंत्री की ऐसी मौत की कामना की है, जिसे हम लिख नहीं सकते। हमारी नैतिकता सर्वोपरि है, हमारा मूल्य है। सवाल यह है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में हिटलर जैसे तानाशाह की कल्पना कैसे की जा सकती है? मोदी किस आधार पर तानाशाह करार दिए जा सकते हैं? अभी अग्निपथ योजना का हिंसक विरोध करते हुए देश के कई राज्यों में भीड़ ने रेलगाडियों को जला-फूंक कर 1000 करोड़ रुपए के करीब का नुकसान रेलवे का किया है। क्या तानाशाही के दौरान ऐसा किया जा सकता है? क्या अब लोकतांत्रिक भारत में यही राजनीतिक संस्कृति बची है? क्या गालियों के सहारे ही कांग्रेस सियासत करेगी और कामयाब होना चाहेगी? हमें याद आ रहा है कि उप्र में सपा नेता इमरान मसूद ने बयान दिया था कि वह मोदी की बोटी-बोटी काट देंगे। राहुल गांधी को उस नेता में संभावनाएं दिखीं और उसे कांग्रेस में शामिल कर लिया। किस संस्कृति के सहारे चलना चाहती है कांग्रेस? भाजपा ने अनुमान दिया है कि कांग्रेस करीब 80 बार प्रधानमंत्री मोदी को गाली दे चुकी है, लेकिन उनमें से किसी भी नेता के प्रति प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस तो ऐसे मोदी-विरोधी नेताओं की भीड़ जमा करना चाहती है, लिहाजा कार्रवाई क्यों करेगी? बहरहाल कांग्रेस अपनी नियति खुद तय कर रही है। कोई क्या कर सकता है? ऐसा नहीं है कि अमर्यादित भाषा का प्रयोग केवल कांग्रेसी नेताओं ने किया है, इस दौड़ में लगभग हर दल के नेता शामिल हैं। बीजेपी के कई नेताओं ने कई दफा अपने राजनीतिक विरोधियों के लिये अंससदीय भाषा का प्रयोग किया है। अनर्गल और विवादित बयानबाजी के मूल में है मीडिया। किसी ने कोई बेवकूफी की बात की और मीडिया ने उसे आगे बढ़ा दिया। वीडियो दिखाने लगे, बहसें होने लगीं। मतलब यह है कि बकवास करने वाले को नायक बना दिया गया। नेताओं को भी लगता है कि प्रचार पाने का ये सबसे अच्छा तरीका है। इसलिए वे कुछ भी बोल देते हैं। अब अगर फंस गए तो कह देते हैं कि मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। इस तरह की बयानबाजी पर अंकुश के लिए मीडिया को संयम बरतना होगा। अपनी राजनीति चमकाने और दूसरे को नीचा दिखाने के लिए नेता अमर्यादित भाषा बोलते हैं। कई नेताओं की जुबान इतनी गंदी हो गई है कि वे गालीगलौज करने से भी नहीं चूकते। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ऐसे नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करता, जिससे इनका मनोबल बढ़ता है। ऐसे नेताओं ने ही राजनीति की छवि को धूमिल किया है। इसी कारण पढ़े-लिखे और सभ्य लोग राजनीति में आने से बचते हैं। अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले नेता राजनीति को गंदा कर रहे हैं। इसकी वजह है कि बड़ी संख्या में आपराधिक प्रवृत्ति के लोग राजनीति में पहुंच गए हैं। ऐसे लोगों को राजनीति में जाने से रोकने के लिए पब्लिक को ही सोचना होगा। ये सब केवल उदाहरण हैं जो आजकल नेतागण अपने विपक्षी नेताओं के लिए उपयोग कर रहे हैं. तो क्या इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल लोकतंत्र के लिए सही है? क्या राजनेताओं को अपने भाषण में संयम और शालीनता का परिचय नहीं देना चाहिए? क्या लोकतंत्र में शब्दों की मयार्दा अनिवार्य नहीं होना चाहिए? आखिर इनसे हमारी जनता क्या प्रेरणा ले सकती है?

बकरा, रैली और शराब के सहारे गांव की सरपंची

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का प्रचार अभियान चल रहा हैं। इस प्रचार अभियान में उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं को वोट देने की अपील तो की जा रहीं है। किन्तु आदिवासी अंचलों यह अपील बिना रैली, बकरा ओर शराब के अधूरी मानी जाती हैं। पंचायत चुनाव में खासतौर पर सरपंच पद के चुनाव में ग्राम पंचायत के सभी उम्मीदवार रैली निकलतें है, इस रैली में गांव वालों को शामिल करने और नचवाले के लिए शराब पिलवाते है, शराब पीकर ही नाचने वालों के पैर भी उठते है। रैली की समाप्ति पर बकरें काटें जातें है। निमाड़ के आदिवासी अंचल में चुनाव में यह अनिवार्य प्रक्रिया हो गयी है। प्रचार अभियान की शुरूवात से सरपंच चुनाव लड़ने वाले के घर में भीड़भाड़ होने लगती हैं प्रतिदिन प्रचार के बाद चाय, ठंडा, सेव परमल का दौर चलता है। कुल मिलाकर गांव के मुखिया बनने के लिए 10 लाख से 25 लाख तक खर्च करने की व्यवस्था आपके पास होना आवश्यक हैं। सरपंची का ख्वाब पाले अनेकों उम्मीदवार उधार लेकर चुनाव लड़ रहे है। निमाड़ के आदिवासी अंचलो में पंचायत चुनाव की दीवानगी सर चढ़ कर बोल रहीं है। यह दीवानगी सोश्यल मीडिया पर बेनर पोस्टर ओर वीडियो के माध्यम से तो देखी ही जा रही है। गांव–गांव चुनावी उत्सव में मदमस्त नजर आ रहें हैं। इन गांवों में सरपंच पद सहित जनपद ओर जिला जनपद प्रतिनिधियों की रैली निकल रहीं है। इन रैलियों में गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल होतें है। रैली में डीजे पर बज रहें हैं, चुनावी गानें जो आदिवासी बोली में होतें है। ग्रामीणों को लय–ताल के साथ झूमते देखा जा सकता हैं। रैली में नाचने के लिए सरपंच पद के उम्मीदवारों द्वारा शराब का प्रबंध किया जाता हैं। रैली की समाप्ति के बाद बकरें काटें जाते हैं। गांव की सरपंची के लिए भाग्य आजमा रहें प्रत्येक उम्मीदवार रैली बकरा ओर शराब का प्रबंध करता हैं। खास बात यह हैं कि गांव के लोग याने की मतदाता सभी उम्मीदवारों की रैली में शामिल होतें है और बकरें की पार्टी में भी शामिल होतें है। सरपंची की फार्म भराई के बाद से यह प्रक्रिया शुरू हो जाती हैं और चुनाव की तारीख के एक दिन पूर्व तक जारी रहती है। सरपंची का सपना पाले सभी उम्मीदवार इन प्रबंधों पर लाखों रुपये खर्च करतें है। कुल मिलाकर गांव में सरपंच का चुनाव लड़ने के लिए 5 लाख से 25 लाख ओर कहीं–कहीं तो इससे भी अधिक का प्रबंध करना होता है। सरपंची की दीवानगी ऐसी की इस खर्च का प्रबंध उधार लेकर या खेती की जमीन बेचकर भी की जाती हैं। गांव में एक बात बेहद अच्छी देखने को मिलती है वह यह कि बेनर–पोस्टर नकली मतपत्र हर उम्मीदवार दीवारों पर चिपकाता है वह अपने विरोधी उम्मीदवार के घर भी चिपकाता है। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के घर सभी के बैनर पोस्टर चिपके होते है इसे लेकर ग्रामीणजन काफी प्रजातांत्रिक नजर आतें हैं। पंचायत चुनाव में रिश्ते भी दांव पर लगतें है। एक ही परिवार के लोग चुनाव लड़ते हैं और यह स्थाई दुश्मनी का कारण भी बन जाता हैं। पंचायतों के चुनाव मे सबसे ज्यादा जुनून सरपंच बनने का रहता है। इसको लेकर हर गांव में चार–पांच या कहीं कहीं 8–10 उम्मीदवार भी भाग्य आजमाते हैं। सेंधवा जनपद की धनोरा ग्राम पंचायत में 9 उम्मीदवार सरपंच पद के चुनाव में भाग ले रहे हैं। इनमें से 7 उम्मीदवार एक ही परिवार के हैं। इसीप्रकार ग्राम पंचायत मालवण में काका भतीजे के मध्य सरपंची का चुनाव हैं। यंहा विगत दो तीन चुनावों से काका–भतीजे में आमने–सामने की टक्कर होती आ रहीं है। पंचायत चुनाव से तार–तार होतें रिश्तों का उदाहरण ग्राम जनपद की ग्राम पंचायत आमझिरी भी है यहां एक ही परिवार के मध्य पिछले कई चुनावों से आमना–सामना होता आ रहा है। पंचायत चुनाव इन परिवारों की स्थाई दुश्मनी का कारण तक बन गयी है। इस बार भी परिवारों के मध्य चुनावी रण जारी है। ग्राम पंचायतों के चुनाव जहां रिश्तों में दरार पैदा कर रहें है तो कुछ किस्से पुरानी दुश्मनी को भुलाने के भी सुनाई दिए हैं। ग्राम किरचाली में एक दूसरे के सामने चुनाव लड़ने वाले अब साथ हो गए हैं। ग्राम मुखिया के यह चुनाव पंचायत की तरक्की ओर जनता को बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के लिए होते है। पंचायतों में सरकारी सुविधाओं का ईमानदारी से क्रियान्वयन कराने की जवाबदेही इन सरपंचों की होती है। ग्राम के इन चुनावों में बहुत कम पंचायतों में गांव की उन्नति के विषय चुनावी प्रचार का विषय बनते दिखाई दिए। अभी चुनाव में तो बकरा शराब और रैलियों का बोलबाला है। सरपंच चुनाव के बाद अनेको उम्मीदवार कर्जे के दलदल में डूब जाएंगे जिनसे निकलने में बरसों लगेंगे और विजय उम्मीदवार चुनाव में खर्चे की भरपाई विकास की राशि मे अनियमितता कर प्राप्त करेंगे। कुल मिलाकर पंचायत चुनावों में भी भारी सुधार की आवश्यकता हैं। पंचायत चुनावों में भी अधिक ईमानदारी और पारदर्शिता की आवश्यकता है। पंचायत चुनावों में सुधार की सबसे ज्यादा कोशिश गांव के मतदाताओं को ही करना होगी। यह तभी सम्भव है जब एक ईमानदार ओर कर्तव्यनिष्ठ ग्राम प्रधान चुना जाए।

मंहगाई की आग

संजीव ठाकुर

भारत में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है। करोना के कारण एवं यूक्रेन रूस युद्ध ने भी महंगाई में बेतहाशा बढ़ोतरी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले दो-तीन वर्षों में भारत में आवश्यक वस्तुओं से लेकर पेट्रोल, डीजल तथा अन्य सामग्रियों में कीमतें लगभग डेढ़ गुना हो गई है। भारत में महंगाई का स्तर अभूतपूर्व तरीके से अचानक उच्चतम सीमा से ऊपर हो गया है। मध्यम वर्ग तथा गरीब तबके का व्यक्ति इस महंगाई की आग में सबसे ज्यादा झुलस रहा है। आमदनी उतनी की उतनी ही है और महंगाई चरम सीमा पर है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हिंदुस्तान में ही महंगाई का परचम भयानक तौर पर लहरा रहा है। पेट्रोल ,डीजल, गैस के दाम तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड आयल के दाम बढ़ने से बढ़ते हैं, फिर अलग अलग राज्य सरकारें उस पर कर लगाकर दाम बढ़ाने का काम करती है पर मूल रूप से वैश्विक स्तर पर महंगाई करोना के भयानक संक्रमण और रूस यूक्रेन युद्ध की भयानक विभीषिका की परिणति ही है। रूस के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने तो महंगाई में आग ही लगा के रख दी है। रूस अब किसी भी कीमत पर यूरोपीय देशों तथा अन्य पश्चिमी देशों को पेट्रोल डीजल गैस देने की मनः स्थिति में नहीं है, उस पर रूस पर यूरोपीय तथा ने1टो देशों का प्रतिबंध भी महंगाई का बड़ा कारण है। रूस का अमानवीय तरीके से यूक्रेन पर आक्रमण और लगभग एक करोड़ यूक्रेन के नागरिक अन्य देशों में शरणार्थी बनकर रहने के कारण ही यूरोप में महंगाई बहुत बढ़ गई है। भारत के परिपेक्ष में महंगाई अब चरम सीमा पर है आम आदमी का जीना मुश्किल दर मुश्किल होता जा रहा है। पाकिस्तान, बांग्लादेश के अलावा श्रीलंका में तो महंगाई ने सरकार का तख्ता ही पलट दिया है। पाकिस्तान में भी सत्ता परिवर्तन का कारण महंगाई तथा बेरोजगारी ही रही है। रूस यूक्रेन युद्ध के इतने महीने बाद भी अमानवीय क्रूर विभीषिका थमने का नाम नहीं ले रही है। यूक्रेन के करोड़ों लोग बेघरबार हो गए हैं। यूक्रेन की अरबों रुपए की संपत्ति युद्ध की भेंट चढ़ चुकी है, यूक्रेन में नागरिकों का कोहराम मचा हुआ है।

राहिल गंगजी कोरिया ओपन में 29वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय

चिओनान (कोरिया)। भारत के राहिल गंगजी यहां कोलोन कोरिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में एक ओवर 72 के स्कोर के साथ भारतीयों के बीच सर्वश्रेष्ठ संयुक्त 29वें स्थान पर चल

रहे हैं। गंगजी 15 होल के बाद शीर्ष पांच में चल रहे थे लेकिन अंतिम तीन होल में बोगी में साथ वह नीचे खिसक गए।

गगनजीत भुल्लर दो ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं जबकि वीर अहलावत (78) और हनी बैसोया (80) क्रमशः संयुक्त 120वें और संयुक्त 133वें स्थान पर चल रहे हैं। अहलावत और बैसोया दोनों पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका के 35 साल के स्युंगसू हान ने तीन अंडर 68 के स्कोर के साथ बढ़त बना ली है।

सिंगापुर तैराकी : नटराज, आंब्रे और गौड़ा को स्वर्ण

सिंगापुर। टोक्यो ओलिम्पिक में हिस्सा लेने वाले श्रीहरि नटराज और माना पटेल ने सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते जबकि भारत ने पहले दिन पांच पदक

अपनी झोली में डाले। प्रतिभावान तैराक मिहिर आंब्रे ने 50 मीटर बटरफ्लाई जबकि अनीष गौड़ा ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब जीता। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इस तैयारी प्रतियोगिता के पहले दिन भारत ने तीन स्वर्ण पदक जीते। शिवा श्रीधर ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 57.58 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत ने गुरुवार को तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक से कुल पांच पदक जीते।

ओलंपिक मानक समय हासिल करने वाले सबसे युवा भारतीय तैराक नटराज ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 55.32 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में माना ने एक मिनट 4.47 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता। आंब्रे ने 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24.66 सेकेंड का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जबकि गौड़ा ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आठ मिनट 14.08 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया।

भारत को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में शीर्ष क्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दांबुला। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले टी20 में 34 रन से जीत दर्ज करके दौरे की सकारात्मक शुरुआत की। भारतीय टीम शनिवार को अब न सिर्फ श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगी बल्कि अपने कमजोर पक्षों पर गौर करके बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले जीत की लय जारी रखने का प्रयास भी करेगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 28 जुलाई से आठ अगस्त के बीच होगा। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को टी20 प्रारूप में शामिल किया गया है। भारत पहले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 138 रन ही बना पाया था लेकिन बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से वह जीत दर्ज करने में सफल रहा। लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। शैफाली वर्मा (31 रन), कप्तान हरमनप्रीत कौर (22) और ऋचा घोष (11) सभी को अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ केएल राहुल का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका : मांजरेकर

मुंबई । भारत एक से पांच जुलाई के बीच इंग्लैंड के साथ एक मात्र टेस्ट मैच खेलेगा जो 2021 की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का हिस्सा है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है और भारत के पास 2-1 की बढ़त है। भारतीय टीम में केएल राहुल नहीं है जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले चोटिल हो गए थे। ऐसे में युवा शुभमन गिल 1-5 जुलाई से बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर का मानना ??है कि एजबेस्टन में भारत के लिए बल्लेबाजी एक बड़ी चुनौती होगी और राहुल के ना होने को एक ÷बड़ा झटका÷ कहा।

उन्होंने कहा, यह केएल राहुल और रोहित शर्मा का उल्लेखनीय प्रयास था जिससे भारत को 2-1 से बढ़त बनाने में मदद की। इस बार केएल राहुल के ना होने के साथ यह भारत के लिए एक बड़ा झटका है। लेकिन श्रेयस अय्यर के चयन से उम्मीद है, अगर उन्हें एक मैच मिलता है तो, हनुमा विहारी,

चेतेश्वर पुजारा भी वापसी कर रहे हैं। मांजरेकर ने कहा, भारत के पास उस जगह को भरने के लिए संसाधन हैं। लेकिन जब आप भारत की सीम गेंदबाजी को देखते हैं तो वहां दो स्पिनरों के अलावा चुनने के लिए गुणवत्ता विकल्प भी हैं। पिछली बार की तरह बल्लेबाजी करना बड़ी चुनौती होगी। लीसेस्टरशायर के खिलाफ उनके चार दिवसीय दौरे के पहले दिन शीर्ष छह बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने से मांजरेकर के विचारों के अनुसार भारतीय खेमे में चिंता हो सकती है। चौकस रहने के बाद शर्मा गेंद को हुक करने की कोशिश करते हुए गिर गए, विराट कोहली गेंद को मिस करने के बाद एलबीडब्ल्यू हो गए, फ्लिक के लिए जाते समय हनुमा विहारी पहली स्लिप में फंसे, रवींद्र जडेजा एक इनस्विंगर द्वारा स्टंप के सामने फंस गए जबकि शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर अपने दूर निकल गए।

उन्होंने कहा कि भारत ने इंग्लैंड में लंबे समय से एक भी नहीं खेला है क्योंकि वे एक साल बाद वहां जा रहे हैं। टीम प्रबंधन और हम सभी जानते हैं कि भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती कम से कम 300 रन बनाना है। उन्होंने कहा कि टीम की जो भी योजना बनाई गई है, वे हमेशा बल्लेबाजी के मुद्दों को संबोधित करने की तलाश में रहेंगे और केएल राहुल के भारत के लिए एक बड़ा झटका होने के साथ यदि आप शीर्ष पांच या छह को देखते हैं तो आप बल्लेबाजी के बारे में चिंतित हैं। ऐसी स्थिति नहीं है जहां आपके पास नंबर तीन, चार, पांच सभी शानदार फॉर्म और हालिया फॉर्म में विदेशी परिस्थितियों में खेल रहे हों।

भारत के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज से बाहर हुए इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद

लंदन । इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद भारत के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे क्योंकि वह हज यात्रा के लिए मक्का जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इंग्लैंड एक जुलाई से टेस्ट मैच के साथ शुरू होने वाली एक बहु-प्रारूप श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 7 से 17 जुलाई तक सीमित ओवरों के मैच खेले जाएंगे। राशिद यॉर्कशायर के टी20 ब्लास्ट अभियान के बाद के चरणों में भी नहीं खेल पाएंगे और उन्हें ईसीबी और यॉर्कशायर द्वारा छुट्टी दी गई है। एक रिपोर्ट में राशिद के हवाले से कहा गया कि मैं इसे थोड़ी देर के लिए करना चाहता था, लेकिन मैंने इसे समय के साथ बहुत मुश्किल पाया। इस साल मुझे लगा कि यह कुछ ऐसा है जो मुझे करना था और कुछ ऐसा जो मैं करना भी चाहता था, मैंने इसके बारे में ईसीबी और यॉर्कशायर से बात की और वे बहुत समझदार और उत्साहजनक थे, जैसे, 'हां, आप वही करते हैं जो आपको करने को मिला है और फिर आप वापस आएं। मैं और मिसस (पत्नी) जा रहे हैं और मैं 'कुछ हफ्ते के लिए वहाँ रहेंगे।

राशिद ने कहा, यह एक बड़ा क्षण है, प्रत्येक धर्म की अपनी अलग चीज होती है लेकिन इस्लाम के लिए और एक मुसलमान होने के नाते यह सबसे बड़ी में से एक है। यह मेरे विश्वास और मेरे लिए एक बड़ी बात है। मुझे पता था कि मुझे इसे तब तक करने की जरूरत है जब तक मैं युवा और मजबूत और स्वस्थ हूं। यह ऐसा कुछ है जो मैंने वास्तव में अपने लिए प्रतिबद्ध किया है कि मैं करूंगा। लेग स्पिनर शनिवार को मध्य पूर्व के लिए उड़ान भरेगा और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड की सफेद गेंद की श्रृंखला से पहले जुलाई के मध्य में लौटने की उम्मीद है।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा

ग्रोस आइलेट। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है और टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। नॉर्थ साउंड के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट में सात विकेट से जीत दर्ज करने के बाद वेस्टइंडीज ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।

शुरुआती मुकाबले में तेज गेंदबाज केमार रोच को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उसने 74 रन देकर 7 विकेट अपने नाम किए जिसमें दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट भी शामिल थे। इसने उन्हें अपने करियर में 249 विकेटों तक पहुंचाया और उन्होंने महान माइकल होल्डिंग के साथ संयुक्त छठे स्थान को साझा किया जो वेस्टइंडीज के विकेट लेने वालों की सर्वकालिक सूची में शामिल थे। वह नवीनतम आईसीसी टेस्ट मैच गेंदबाजी रैंकिंग में आठवें स्थान पर वेस्टइंडीज के अग्रणी गेंदबाज भी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता ने कहा डेसमंड हेन्स,

एंटीगुआ में बहुत अच्छी जीत थी। टीम ने वास्तव में अच्छा खेला और दूसरे मैच के लिए सेंट लूसिया में जाने के लिए वास्तव में आत्मविश्वास से भरी होगी। हमारे पास खिलाड़ियों का एक समूह है जो बहुत अनुशासित हैं और 100 प्रतिशत दे रहे हैं। हमारे लिए गेंदबाजों ने पहले टेस्ट मैच में वास्तव में कड़ी मेहनत की। हम बांग्लादेश को हल्के में नहीं ले सकते, उन्होंने भी वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और काफी अनुशासित थे। मुझे पता है कि हम दूसरा मैच जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, केमार एक लीजेंड हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने करियर की शानदार शुरुआत की, फिर कुछ चोटें आईं, फिर उन्होंने वापस काम किया और हमारे प्रमुख गेंदबाज हैं। वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। मैं न केवल मैदान पर बल्कि जिस तरह से वह युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करता रहा है और जिस तरह से वह टीम के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत कर रहा है, उसके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड (उप-कप्तान) नक्रमाह बोनर, जॉन कैंपबेल, जोशुआ डा सिल्वा, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर्स, गुडकेश मोती, एंडरसन फिलिप्स, रेमन रीफर, केमार रोच, जेडन सील्स, डेवोन थॉमस।

फीफा विश्व रैंकिंग में भारत को दो पायदान का फायदा, अब 104वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई कप क्वालिफिकेशन में प्रभावशाली प्रदर्शन का फायदा जारी ताजा फीफा विश्व रैंकिंग में मिला, जिसमें वह दो पायदान के फायदे से 104वें स्थान पर पहुंच गई। भारतीय टीम न्यूजीलैंड (103) से एक पायदान नीचे है जो इस महीने के शुरू में अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में कोस्टारिका से 0-1 से हारने के कारण विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के सदस्यों में भारत पहले की तरह 19वें स्थान पर बना हुआ है। ईरान कुल 23वें स्थान और एएफसी देशों में शीर्ष स्थान पर बरकरार है। सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम ने इस महीने की शुरुआत में एशियाई कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और ग्रुप डी में अपने तीनों लीग मैच जीतकर 2023 में होने वाले 24 टीम के फाइनल्स में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में ब्राजील शीर्ष पर बना हुआ है। उसके बाद बेल्जियम, अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, स्पेन, इटली, नीदरलैंड, पुर्तगाल और डेनमार्क का नंबर आता है। फीफा की अगली रैंकिंग सूची 25 अगस्त को जारी होगी।

फिर मैदान पर टिके मिशेल-ब्लंडेल, स्कोर 225/5

लीड्स। डैरिल मिशेल (78 नाबाद) और टॉम ब्लंडेल (45 नाबाद) की जोड़ी ने एक बार फिर मुसीबत में फंसी न्यूजीलैंड को बचाते हुए लीड्स टेस्ट के पहले दिन कीवी टीम को 225 रन तक पहुंचाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए न्यूजीलैंड ने सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम का विकेट शून्य रन पर खो दिया। लैथम के साथी विल यंग भी 42 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान केन विलियमसन ने 31(64) और

डेवन कॉनवे ने 26(62) रन बनाए। महज 83 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद हेनरी निकोल्स और डैरिल मिशेल ने न्यूजीलैंड की पारी को संभालते हुए 50 रन की साझेदारी की, लेकिन निकोल्स बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से अपना विकेट गंवा बैठे। पारी के 56वें ओवर में निकोल्स ने जैक लीच की गेंद को सीधा मारना चाहा, लेकिन वह नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़े मिशेल के बल्ले से छिटककर मिड-विकेट पर मौजूद एलेक्स लीस के हाथों में समा गयी।निकोल्स के आउट होने के बाद क्रीज़ पर आये टॉम ब्लंडल ने मिशेल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों के बीच 102 रन की साझेदारी हुई और दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 225 रन बना लिए। मिशेल 78 रन बनाकर और ब्लंडेल 45 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड की ओर से स्टूअर्ट ब्रॉड और जैक लीच ने 2-2 विकेट लिए हैं जबकि इंग्लैंड के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे जेमी ओवरटन ने एक विकेट हासिल किया।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला हॉकी टीम घोषित, रानी रामपाल फिर बाहर

नई दिल्ली। भारत ने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का चयन किया जिसमें फिर से स्टार स्ट्राइकर रानी रामपाल को बाहर रखा गया है क्योंकि वह चोट के बाद पूर्ण फिटनेस हासिल नहीं कर पायी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की टीम अगले महीने विश्व कप में हिस्सा लेने वाली टीम के समान ही है।

गोलकीपर सविता पूनिया टीम की कप्तान होंगी जबकि अनुभवी डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चलने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में उप कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। दोनों खिलाड़ी विश्व कप में भी यही भूमिका निभायेंगी जिसकी सह मेजबानी एक से 17 जुलाई तक नीदरलैंड और स्पेन कर रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की टीम के लिए विश्व कप टीम में सिर्फ तीन

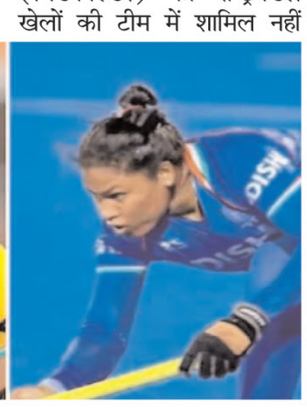

बदलाव किये गये हैं। रजनी इतिमार्पू को बीचू देवी खरीबाम की जगह दूसरी गोलकीपर के तौर पर रखा गया है जबकि विश्व कप टीम सदस्य सोनिका (मिडफील्डर) को राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल नहीं किया गया है।

फॉरवर्ड संगीता कुमारी को विश्व कप के लिये स्थानापन्न खिलाड़ियों में से एक चुना गया था लेकिन वह राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में पूर्ण सदस्य के तौर पर शामिल हैं।

भारत को पूल ए में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 28 जुलाई को घाना के खिलाफ करेगा।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम :

गोलकीपर : सविता (कप्तान), रजनी इतिमार्पू

डिफेंडर : दीप ग्रेस एक्का (उप कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता

मिडफील्डर: निशा, सुशीला चानू, पुखराम्बाम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सलीमा टेटे

फॉरवर्ड : वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी और संगीता कुमारी।

रणजी ट्रॉफी फाइनल : यश दुबे का नाबाद शतक, मध्य प्रदेश ने मुंबई पर दबाव बनाया

बेंगलुरू। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय राष्ट्रीय टेस्ट टीम में तत्काल वापसी करने के लिए चेतेश्वर पुजारा की प्रशंसा की है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की आखिरी टेस्ट श्रृंखला के लिए अनुभवी बल्लेबाज को हटा दिया गया था, लेकिन खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित टेस्ट मैच के लिए वापस आ गया है।

कैफ ने युवाओं को सलाह दी कि पुजारा की कड़ी मेहनत और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद उनकी पसंद उनसे सीखने वाली चीजें हैं। उनका यह भी मानना ??है कि अनुभवी खिलाड़ी पहली जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। कैफ ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, आप पुजारा से बहुत कुछ सीख सकते हैं। अगर आप ड्रॉप हो

जाते हैं तो बल्लेबाज के तौर पर आपको क्या करना होगा? आप काउंटी वापस जाते हैं, आप रणजी वापस जाते हैं और आप रन बनाते हैं और मेरा मतलब है, शतक और शतक बनाते हैं। उन्होंने ऐसा किया है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक उदाहरण है जिसे बाहर कर दिया गया है और कैसे वापसी करनी है। शायद आपको वापस जाना चाहिए और देखना चाहिए कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में क्या किया है। वह भारत के लिए भी शानदार खिलाड़ी रहे हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के लिए नंबर 3 पर खेलेंगे। गौर हो कि इस 34 वर्षीय टेस्ट विशेषज्ञ जनवरी 2019 से शतक बनाने में विफल रहे हैं और उनके खराब प्रदर्शन के कारण जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। वह अपनी घरेलू टीम सौराष्ट्र में फिर से शामिल हुए और रणजी ट्रॉफी 2022 के तीन मैचों में दो अर्द्धशतक बनाए। खिलाड़ी फरवरी में इंडियन प्रीमियर लीग 2022 मेगा-नीलामी में अनसोल्ड रहे और ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए इंग्लैंड चले गए। पुजारा ने ससेक्स के साथ बेहद सफल सत्र खेला और आठ पारियों में 120.0 की प्रभावशाली औसत से 720 रन बनाए।

भारत में हो सकता है 2036 ओलंपिक का आयोजन, रूस बोला- मदद के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत को 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी का मौका मिल सकता है। रूस से कहा है कि 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करने में वह भारत की मदद करेगा। अगर भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी का मौका मिलता है तो पहली बार ओलंपिक खेलों का आयोजन भारत में होगा। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को वैश्विक तौर पर खेल जगत से बहिष्कृत किया गया है। ऐसे में रूस भारत की मदद के लिए तैयार है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ही इस बारे में अंतिम फैसला लेगी कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी किसे दी जाएगी। हालांकि, इस बारे में कोई ठोस आधिकारिक कदम नहीं उठाए गए हैं, भारत ने अहमदाबाद में 2036 खेलों की मेजबानी के लिए बार-बार अपनी इच्छा जताई है। पिछले साल, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने एक अनूठी बोली का प्रस्ताव रखा था, जिसमें अहमदाबाद को केन्द्र में रखकर आसपास के शहरों में ओलंपिक के आयोजन की बात कही गई थी। दो महीने पहले, गुजरात के महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने गुजरात उच्च न्यायालय को बताया था कि 'हम 2036 के ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं और 2025 में ओलंपिक समिति यहां का दौरा करेगी'। नरेंद्र मोदी स्टेडियम के उद्घाटन के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि यह परिसर ओलंपिक की मेजबानी करने में सक्षम है। भारत की अपनी यात्रा के दौरान, मैटिसिन ने एक मीडिया हाउस को बताया कि रूस बहुत खुश है कि भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा ÷अगर ओलंपिक खेलों की मेजबानी जैसा सपना सच होता है, तो यह देश के स्थिर विकास के लिए एक और मानदंड होगा। हम हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं और ओलंपिक खेलों की मेजबानी के अपने अनुभव को साझा करने के लिए तैयार हैं, और हमने ऐसा कई बार किया है, इसलिए यदि कोई निर्णय लिया जाता है, तो रूसी विशेषज्ञ भारत में ओलंपिक खेलों के आयोजन में मदद करने में प्रसन्न होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मैटिसिन ने विश्व फुटबॉल रैंकिंग में 35वें स्थान पर काबिज रूस और 108वें स्थान पर मौजूद भारत के बीच एक दोस्ताना फुटबॉल मैच का प्रस्ताव भी रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति कोलिंडा ग्रैबर-किटारोविक आईओसी आयोग के प्रमुख हैं जो 2036 खेलों के लिए मेजबान शहर का चयन करेगा। इसका चयन 2025 और 2029 के बीच किया जाएगा। रूस उन देशों में से एक था जिसने 2036 ओलंपिक की मेजबानी में रुचि दिखाई थी। हालांकि, यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस इस रेस से हट चुका है। मैटिसिन ने बताया कि 25 मई तक, अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने 2022-2023 के दौरान रूस में होने वाले 186 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को रद्द या स्थगित कर दिया है, जिसमें 36 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन जंग:यूरोपीय परिषद ने यूक्रेन को 9 बिलियन यूरो की मदद देने का ऐलान किया

कीव: रूस और यूक्रेन की बीच जंग पांचवे महीने में पहुंच गई है। यूक्रेन ने रूस के Su-25 एयरक्राफ्ट को मार गिराया। यूक्रेन एयरफोर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है। एयरफोर्स ने अपने बयान में बताया कि 24 जून को माइकोलाइव स्थित 79 वें एयर असॉल्ट ब्रिगेड के वायु रक्षा डिवीजन के एक सैनिक ने रूसी एयरक्राफ्ट को मार गिराया है। इससे पहले 22 जून को यूक्रेनी सैनिकों ने रूस की एक मिसाइल और दो ड्रोन मार गिराए थे।पिछले 4 महीने से ज्यादा समय से युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन की मदद के लिए कई देश और संगठन आगे आ रहे हैं। यूरोपीय परिषद ने यूक्रेन की मदद के लिए 9 बिलियन यूरो, यानी 578 अरब 10 करोड़ 20 लाख रुपए की मंजूरी दी है। यूरोपीय परिषद ने शिखर सम्मेलन में इसकी घोषणा

की। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविएकी ने शिखर सम्मेलन के बाद इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हमने यूक्रेन की मदद का फैसला किया है। वो महीने से जंग से प्रभावित है, उसके पास डॉक्टरों, टीचर्स, पुलिस, सैनिकों को भुगतान करने में परेशानी हो रही है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूसी सैनिक लुहांस्क के पास यूक्रेनी सेना को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। इलाके में रूस ने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इससे कई बस्तियां तबाह हो गईं और न जाने कितने लोगों की मौत हुई। दुश्मन सिविएरोडोनेट्सक पर कब्जा करना चाहता है।रूस अभी लुहांस्क के पास यूक्रेनी सेना को घेरने और रास्तों को बंद करने के लिए अभियान चला रहा है। वहीं यूक्रेन की सेना ने लुहांस्क के कुछ इलाकों और खेरसॉन के कुछ इलाकों में रूसी सैनिकों को खदेड़ दिया।

पाखंडी पाकिस्तान की खुली पोल : 26/11 मुंबई हमले का मास्टर माइंड साजिद मीर जिंदा, आईएसआई ने मोस्ट वांटेड को बताया था 'मुर्दा'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के सूत्रधार साजिद मीर को हिरासत में लिया है। इससे पहले कुख्यात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने एफबीआई की ओर से मोस्ट वांटेड घोषित साजिद की मौत होने का दावा किया था। विशेषज्ञों

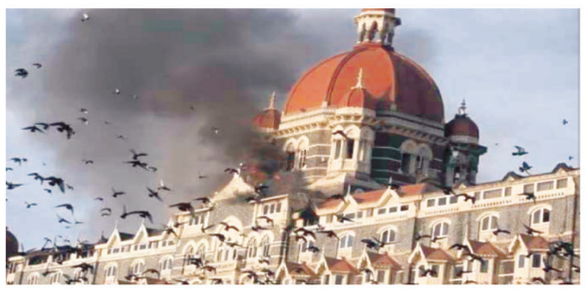

के मुताबिक एफएटीएफ की ग्रे सूची से निकलने के लिए पाकिस्तान ने मीर को सजा दिलाने का नाटक किया है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, एफबीआई के एक अधिकारी ने बताया है कि मीर पाकिस्तान में जिंदा है, हिरासत में है और उसे सजा सुनाई गई है। मीर को मोस्ट वांटेड सूची में शामिल करते हुए एफबीआई ने 2011 में उस पर 50 लाख डॉलर का इनाम रखा था। अमेरिका और भारत दोनों ही एक दशक से उसे खोज रहे हैं। लश्कर सरगना हाफिज सईद के करीब साजिद को मुंबई हमले की योजना बनाने वाले डेविड कोलमैन हेडली और अन्य आतंकवादियों का हैंडलर माना जाता है।

पाकिस्तान का असल मंसूबा

पाकिस्तान साजिद मीर की गिरफ्तारी से दिखाना चाहता है कि वह आतंकवाद के खिलाफ काम कर रहा है। इस गिरफ्तारी को एफएटीएफ की ग्रे सूची से बाहर निकलने की प्लानिंग कहा जा रहा है। पाकिस्तान जून 2018 से ही एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल है। इस बार जर्मनी में हुई बैठक में एफएटीएफ ने कहा था कि वह पाकिस्तान का जमीनी परीक्षण करने के बाद उसे ग्रे सूची से बाहर करने का फैसला करेगी। ऐसे में पाकिस्तान दिखाना चाहता है कि वह आतंकवाद के खिलाफ खुलकर काम कर रहा है।

राष्ट्रमंडल नेताओं की बैठक में जलवायु और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर हुई बातचीत, चुनौतियों से निपटने का किया वादा

इस्लामाबाद। मेजबान रवांडा के मानवाधिकार रिकॉर्ड और वहां शरण चाहने वालों को निर्वासित करने की ब्रिटिश नीति की आलोचना के बीच राष्ट्रमंडल नेताओं ने व्यापार से लेकर स्वास्थ्य और जलवायु तक के मुद्दों पर सहयोग की चर्चा की। राष्ट्रमंडल देशों के नेताओं की बैठक में उष्णकटिबंधीय रोगों व कोविड के चलते गहराई अन्य चुनौतियों से निपटने का वादा भी किया गया। राष्ट्रमंडल 2.5 अरब आबादी वाले 54 देशों का एक क्लब है जिसमें अधिकांश देश पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश रह चुके हैं। उद्घाटन समारोह में रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने कहा, इस बैठक में ब्रिटिश साम्राज्य से संबंध न रखने वाले नए सदस्यों के बारे में सोचना हमारी पसंद को व्यक्त करता है। बता दें, टोगो और गैबॉन के राष्ट्रमंडल में अपेक्षित प्रवेश के साथ देशों की यह संख्या बढ़ जाएगी। दोनों देशों ने ब्रिटेन के साथ कोई औपनिवेशिक इतिहास नहीं होने के बावजूद समूह में शामिल होने के लिए कहा है। उद्घाटन समारोह में 29 राष्ट्राध्यक्षों-शासनाध्यक्षों ने भाग लिया। भारत समेत न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका सहित अन्य सदस्य देशों ने मंत्रियों या राजनयिकों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल भेजा। ब्रिटिश राजकुमार चार्ल्स अपनी 96 वर्षीय मां महारानी एलिजाबेथ का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, जो राष्ट्रमंडल की प्रमुख हैं।

चीनी राजदूत ने कहा- ऑस्ट्रेलिया ने हुवावे पर पाबंदी लगाकर पहले 'हमला' किया

बीजिंग। चीन के ऑस्ट्रेलियाई राजदूत शिओ कियान ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने रिश्ते खराब करने के लिए चार साल पूर्व पहली कार्रवाई की। यह कार्रवाई ऐसे वक्त पर की गई जब तत्कालीन सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण चीनी दूरसंचार कंपनी हुवावे के देश की 5जी परियोजना में शामिल होने पर रोक लगा दी। ऑस्ट्रेलिया में चीनी राजदूत ने जनवरी के बाद से पहली बार सिडनी में सार्वजनिक संबोधन दिया, जिसे बार-बार मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बाधित किया। चीनी राजदूत का यह बयान ऐसे समय आया है जब गत माह ऑस्ट्रेलियाई चुनाव के बाद वहां नई सरकार बनी है और बीजिंग ने रिश्तों पर जमी बर्फ को हटाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, इसे पहला हमला करार दिया जा सकता है जिसने वास्तव में हमारे सामान्य कारोबारी संबंधों को नुकसान पहुंचाया।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी को नाम बदलने की इजाजत मिली:कोर्ट ने कहा- नया बर्थ सर्टिफिकेट जल्द जारी होगा

वाशिंगटन: मशहूर अमेरिकी बिजनेसमैन और टेस्ला के ष्टश्वह्म एलन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी को कोर्ट ने नाम बदलने की अनुमति दे दी है। 18 साल की जेवियर ने अपना जेंडर बदलवाने के बाद अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन कर लिया है। अब वो कानूनी दस्तावेजों पर भी अपना नाम बदलवाना चाहती हैं, इसके लिए उन्होंने एक कोर्ट में नाम बदलने और नया बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने की याचिका दायर की थी। कोर्ट ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए नाम बदलने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने बताया कि जल्द ही जेवियर को नया जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

पिता से रिश्ता नहीं रखना चाहतीं जेना विल्सन याचिका में जेवियर ने यह भी कहा कि वे अपने बायोलॉजिकल पिता से सभी संबंध खत्म करने की बात भी कही थी। जेना विल्सन ने कहा था, 'मैं अपने बायोलॉजिकल पिता के साथ ना रहना चाहती हूं ना उनसे कोई रिश्ता रखना चाहती हूं।' उन्होंने अपने नाम में अपनी मां का नाम शामिल किया है।

विवियन की मां जस्टिन विल्सन कनाडाई लेखिका हैं। जस्टिन विल्सन और एलन मस्क की शादी साल 2000 में हुई थी और 2008

में दोनों का तलाक हो गया। एलन मस्क की ओर से इस बारे में अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। एलन मस्क के 8 बच्चे हैं, उनके बच्चे सोशल मीडिया पर कम ही चर्चा में रहे।

एलन मस्क को लोग एंटी-गे कहते हैं

एलन मस्क ट्रांसजेंडर मुद्दों पर हमेशा मुखर रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें लोग एंटी-गे भी कहते हैं।

मस्क कई मौकों पर फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस की तारीफ भी कर चुके हैं। एक बार मस्क ने कहा था कि वे रॉन डेसेंटिस को पसंद करते हैं, क्योंकि उन्होंने 'गे' विरोधी बिल पेश किया था।

कैसे पाई-पाई बचा रहा पाकिस्तान, अब 'चाय' पर भी कंजूसी, मिलेगा सिर्फ 'सत्तू'

इस्लामाबाद: पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यहां का शेयर बाजार दो हजार अंकों की गिरावट के बाद क्रैश हो गया। इसके बाद बाजार को अपना कारोबार तक रोकना पड़ा। उधर, आर्थिक संकट से उबरने के लिए पाक सरकार ने अमीरों को 10 प्रतिशत का सुपर टैक्स का एलान किया है।

इस बीच पैसे बचाने के लिए पाकिस्तान सरकार ने नया और नायाब तरीका निकाला है। पाकिस्तान के उच्च शिक्षा आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे 'चाय' के बजाय स्थानीय पेय पदार्थ 'लस्सी' या फिर 'सत्तू' को बढ़ावा दें। इस फैसले के पीछे तर्क दिया गया है कि इससे न सिर्फ रोजगार बढ़ेगा, बल्कि देश में रोजगार भी बढ़ेगा और जनता के लिए आय भी पैदा होगी।

स्थानीय चाय बगानों को दिया जाए बढ़ावा

पाकिस्तान के उच्च शिक्षा आयोग ने विश्वविद्यालयों से कहा है कि स्थानीय चाय बगानों को बढ़ावा दिया जाए। इसके साथ ही लस्सी व सत्तू को भी बढ़ावा मिले। इससे चाय के आयात पर होने वाला खर्च बचेगा और रोजगार भी पैदा होगा।

उधार पर चाय मंगाता है पाकिस्तान

दरअसल, पाकिस्तान उच्च शिक्षा आयोग की ओर से इस तरह की एडवाइजारी तब जारी की गई है, जब पाक के योजना मंत्री का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में वह देश के लोगों से चाय की खपत कम करने का आग्रह करते हैं। वह कहते हैं कि 'मैं देश से चाय की खपत में 1-2 कप की कटौती करने की अपील करता हूं क्योंकि हम कर्ज पर चाय का आयात करते हैं।' उन्होंने लोगों से अपील की कि पाकिस्तान को चाय कर्ज पर मंगानी पड़ती है। इसलिए इसकी खपत को कम किया जाए।

यूथ में '0.5 सेल्फी' का क्रेज बढ़ा:बैक कैमरे से सेल्फी को कूल मानते हैं, क्योंकि तिरछी तस्वीरें अच्छी लगती हैं

वाशिंगटन: अमेरिका सहित अन्य देशों में अब बैक-कैमरे से '0.5 सेल्फी' यानी आधी सेल्फी खींचने का क्रेज युवाओं में तेजी से बढ़ रहा है। युवाओं का मानना है कि इस तरह ऑर्गेनिक और अधूरी तस्वीरें लेना उन्हें कूल बनाता है। इस तरह की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर एक मजाकिया संदेश के साथ पोस्ट करना ट्रेंड बन चुका है। इसमें हैशटैग 0.5 सेल्फी लिखा जा रहा है। दरअसल, युवा अब मोबाइल के बैक कैमरे को 0.5 टाइम्स जूम कर खुद की फोटो क्लिक करते हैं। इसमें चेहरा सामान्य तस्वीर के मुकाबले बड़ा नजर आता है। आंखें कैमरे को फेस नहीं करती और इंसान के पीछे का सीन भी छोटा दिखता है।

0.5 सेल्फी लेना आसान नहीं होता

खास बात यह है कि 0.5 सेल्फी लेना सामान्य सेल्फी के मुकाबले आसान नहीं, बल्कि मुश्किल है, क्योंकि इसमें अच्छी फोटो लेने के लिए जितना संभव हो हाथ को उतनी दूर ले जाना पड़ता है। बता दें कि 2019 में लॉन्च हुए स्मार्टफोन में 'वाइड एंगल लेंस' का फीचर आने लगा था। तब से ही हैशटैग 0.5 सेल्फी के कैप्शन लिखे फोटो तेजी से अपलोड हो रहे हैं। कई सुपरस्टार ऐसी सेल्फी पोस्ट कर चुके हैं।

की-पैड फोन का अहसास दिलाता है '0.5 सेल्फी' का ट्रेंड

'0.5 सेल्फी' का ट्रेंड आपको की-पैड फोन का अहसास दिलाता है, क्योंकि तब 0.5 टाइम्स जूम नहीं हो पाता था। 2010 तक लॉन्च हुए ज्यादातर की-पैड मोबाइल में फ्रंट कैमरा नहीं होता था। तब भी बैक कैमरे से ही खुद की फोटो लेने का चलन था। अब वाइड एंगल लेंस का उपयोग हो रहा है।

1862 में ही आ गया था वाइड एंगल लेंस का कॉन्सेप्ट

वाइड एंगल लेंस का कॉन्सेप्ट 1862 में ही आ गया था। आर्किटेक्चर, लैंडस्केप और स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए इसका इस्तेमाल होता था। फ्रंट कैमरा के मुकाबले 0.5 सेल्फी लोगों को अच्छी यादें दे रही हैं, जो कुछ सालों बाद देखने पर हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ले आती है।

नॉर्वे के ओस्लो में नाइटक्लब में फायरिंग, दो की मौत, कई घायल

ओस्लो: नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में हुई गोलीबारी की घटना में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है। वहीं 10 लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। नॉर्वे पुलिस के मुताबिक, फायरिंग की यह घटना ओस्लो के लोकप्रिय लंदन पब में हुई है। यह क्लब समलैंगिकों के बीच काफी चर्चित है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, घटनास्थल के पास से ही एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, हमले का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

गौरतलब है कि ओस्लो में शनिवार को ही समलैंगिकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक प्राइड परेड का आयोजन किया जाना है। इससे ठीक पहले इस तरह की घटना ने इलाके में हलचल मचा दी है। पुलिस ने भी पूरे शहर में सुरक्षा के इंतजाम और कड़े कर दिए हैं।

ईरान: खुशी में उतारा हिजाब, किशोरियां व आयोजक गिरफ्तार

तेहरान। ईरान के दक्षिणी शहर शिराज में स्केटबोर्डिंग डे पर इवेंट के बाद खुशी में कुछ किशोरियों ने हिजाब उतारकर जश्न मनाया। यह बात ईरान के कट्टरपंथियों को हजम नहीं हुई और उन किशोरियों के अलावा इवेंट के आयोजकों को गिरफ्तार कर लिया गया। शिराज में स्केडबोर्डिंग डे पर विशेष आयोजन किया गया था। इस आयोजन में भारी संख्या में किशोरियों एवं युवतियों ने भी हिस्सा लिया था। आयोजन के बाद जश्न की शुरूआत हुई, तो श्रेष्ठ प्रदर्शन के उल्लास में कुछ किशोरियों और युवतियों ने अपने हिजाब उतार दिये। इसका वीडियो भी वायरल हो गया। इसके बाद ईरान की पुलिस ने इन किशोरियों को गिरफ्तार कर लिया। शिराज पुलिस प्रमुख फराज शोजाई ने बताया कि कई लड़कियों ने स्पोर्ट इवेंट के अंत में धार्मिक मान्यताओं और कानूनी नियमों को तोड़ते हुए हिजाब उतार दिए। इन किशोरियों के साथ पुलिस ने पांच आयोजकों को भी गिरफ्तार किया है। रूढ़िवादी देश ईरान में सभी महिलाओं और किशोर लड़कियों के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य है। शोजाई ने कहा कि धार्मिक और कानूनी नियमों का पालन किए बिना किसी स्पोर्ट्स या नॉन-स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन करना सख्त मना है और आयोजकों को कानून के मुताबिक सख्त सजा दी जाएगी। शिराज के गवर्नर लोटफुल्ला शेबानी ने कहा कि इवेंट का आयोजन सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रीय नियमों को तोड़ने के उद्देश्य से किया गया था। शिराज में 15 जुलाई को जुमे की नमाज के बाद 'हिजाब की पवित्रता के समर्थक' शीर्षक से एक मार्च निकाला जाएगा।

अमेरिका में गर्भपात अब संवैधानिक अधिकार नहीं: यूएस सुप्रीम कोर्ट ने 49 साल पुराना फैसला पलटा, आदेश के बाद जगह-जगह प्रदर्शन

वाशिंगटन: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के अधिकार को मिली संवैधानिक सुरक्षा खत्म कर दी है। अदालत ने 49 साल पुराने रो वी वेड केस में दिए गए फैसले को पलट दिया। इस केस में गर्भपात के अधिकार को सुरक्षा दी गई थी। नए आदेश के मुताबिक, अब राज्य खुद इस प्रॉसेस को खत्म कर सकते हैं या फिर इसकी इजाजत दे सकते हैं।माना जा रहा है कि अदालत के इस फैसले के बाद अमेरिका के करीब आधे राज्यों में गर्भपात पर प्रतिबंध लग जाएगा, जहां रिपब्लिकन पार्टी रूल कर रही है।

अदालत के इस फैसले के बाद कई जगह प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और कई जगहों पर खुशियां भी मनाई जा रही हैं।पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस फैसले के बाद ट्वीट किया- आज सुप्रीम कोर्ट ने न केवल 50 साल पराने आदेश को पलट दिया, बल्कि यह लाखों अमेरिकियों की बेहद निजी स्वतंत्रता पर हमला है। ये किसी लोगों और उनके चुने हुए प्रतिनिधियों के पास वापस दिया जाता है। जस्टिस सैमुअल

को बेहद निजी और अहम फैसले को लेने से रोकता है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि संविधान अबॉर्शन का अधिकार नहीं देता है। अब अबॉर्शन के अधिकार का फैसला अलीटो ने कहा कि अबॉर्शन बेहद गंभीर नैतिक मुद्दा है, जिस पर अमेरिकियों की राय विरोधाभासी है।

अमेरिका में हर 5 में से एक महिला ने कराया अबॉर्शन

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से पहले एक रिपोर्ट सामने आई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका में 2020 में हर 5 में से एक महिला ने अबॉर्शन कराया था। इस साल 9.3 लाख से ज्यादा गर्भपात के मामले हुए। 54त्न महिलाओं ने गर्भपात की दवाएं ली थीं।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रमंडल देश चिंतित, मलेरिया भी चुनौती

किगाली। पूर्वी अफ्रीकी देश रवांडा में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के शिखर सम्मेलन में नेताओं ने व्यापार से लेकर जलवायु और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर चर्चा की। ये देश जलवायु परिवर्तन को लेकर सर्वाधिक चिंतित नजर आए, वहीं मलेरिया को चुनौती करार दिया गया। 250 करोड़ से अधिक आबादी वाले 54 देशों के समूह राष्ट्रमंडल में अधिकांश देश वे हैं, जिन पर कभी न कभी ब्रिटेन का शासन रहा है। अब ऐसे देशों के लिए भी राष्ट्रमंडल समूह के दरवाजे खुल रहे हैं। राष्ट्रमंडल देशों के शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने कहा कि इस बैठक में ब्रिटिश साम्राज्य से संबंध न रखने वाले नए सदस्यों के बारे में सोचना हमारी पसंद को व्यक्त करता है। उल्लेखनीय है कि टोगो और गैबॉन के राष्ट्रमंडल में अपेक्षित प्रवेश के साथ देशों की संख्या बढ़ जाएगी। दोनों देशों ने ब्रिटेन के साथ कोई औपनिवेशिक इतिहास नहीं होने के बावजूद समूह में शामिल होने के लिए कहा है। उद्घाटन समारोह में 29 राष्ट्राध्यक्षों-शासनाध्यक्षों ने भाग लिया। भारत समेत न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सहित अन्य सदस्य देशों ने मंत्रियों या राजनयिकों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल भेजा।

स्पेन-मोरक्को की सीमा में भगदड़, 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत

मैड्रिड/रबात। स्पेन के उत्तर अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की सीमा पर घुसने की कोशिश कर रहे अफ्रीकी प्रवासियों और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के बीच दो घंटे की झड़प के दौरान मची भगदड़ 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने मोरक्को और स्पेन के अधिकारियों के हवाले से जारी रिपोर्ट में कहा है कि करीब दो हजार अफ्रीकी प्रवासियों ने शुक्रवार को सीमा पर एक ऊंचे लोहे के बाड़ पर धावा बोल दिया। इस कारण सुरक्षा बलों के साथ झड़पें हुई। इस दौरान वहां मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक 133 प्रवासी मोरक्को के नाडोर शहर और मेलिला के बीच की सीमा को पार करने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अफ्रीकी प्रवासियों के सीमा पार करने की घटना सामने आई है। मेलिला में स्पेन सरकार के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 2,000 लोगों ने सीमा पार करने का प्रयास किया। कइयों को स्पेनिश सिविल गार्ड पुलिस और मोरक्को के सुरक्षाबलों ने बाड़ के दोनों ओर रोक दिया। लोहे की बाड़ पर चढ़ने की कोशिश के दौरान भगदड़ मच गई।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।